हर घर तिरंगा यात्रा में उमड़ा... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कियारा आडवाणी के समर्थन... 11

वर्ष - 02, अंक - 128 | गाजियाबाद / सोमवार 10 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

ट्रॉले ने वैन को मारी टक्कर 6 श्रद्धालुओं की हो गई मौत

- महाकाल दर्शन कर गुजरात लौट रहे थे सभी श्रद्धालु

धार (एजेंसी)। धार जिले के बदनावर में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने वैन को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई। वैन में सवार सभी छह श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। वे गुजरात में वड़ोदरा के रहने वाले थे और उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहे

थे। गाड़ी की हालत ऐसी थी कि उसकी बॉडी काटकर दो शव निकाले जा सके। हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ। सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला।

ट्रॉले में लोहे का सामान भरा था

पुलिस ने कहा- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वैन में 6 लोग सवार थे। ट्रॉला रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। इसमें लोहे का सामान भरा था। वहीं, मारुति ईको वैन नंबर उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी। हादसा बहुत ज्यादा भीषण था।

जेन जी ऐसी ताकत है जिसे नजरअंदाज नहीं कर सकते

- मोदी सरकार से इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने तोड़ी चुप्पी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बीजेपी नेता और संबलपुर के सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान जेन जी को गुमराह करने की कोशिशें की गईं, जिसके कारण उन्हें केंद्रीय

शिक्षा मंत्री का पद छोड़ना पड़ा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर इस मुद्दे को लेकर हुए जबरदस्त विरोध-प्रदर्शनों के बीच पद छोड़ने के ठीक दो हफ्ते बाद प्रधान ने भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए अपने इस्तीफे पर चुप्पी तोड़ी। प्रधान ने कहा, जेन जी हमारे बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मेरा कोई निजी मसला नहीं था। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं।

बीजेडी और नवीन पटनायक पर साधा निशाना

रायराखोल में एक और बैठक में प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेडी कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन और वापस जाओ के नारों से उन्हें कोई परेशानी नहीं है।

करीब 50 करोड़ रुपए में अरबपति परिवार की 'ग्रैंड शादी', नाम पर सस्पेंस

दूर देश वियतनाम में सजेगा भारतीय रईसों का मंडप!

हनोई (एजेंसी)। भारत के एक उद्योगपति परिवार ने वियतनाम में शादी करने के लिए करीब 47 करोड़ रुपये में रिसॉर्ट बुक किया है। अरबपति परिवारों का एक भारतीय जोड़ा दिसंबर महीने में वियतनाम के न्हा ट्रांग में शादी करेगा। शादी का ये कार्यक्रम चार दिन तक चलेगा जिसका कुल खर्च 5.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानि करीब 47 करोड़ 60 लाख रुपयों का खर्च आएगा। आयोजकों में से एक ब्लू लेमन वियतनाम कंपनी के जनरल डायरेक्टर फान क्वांग दाई ने बताया कि यह शादी 9 से 13 दिसंबर के बीच न्हा ट्रांग बे के होन ट्रे आईलैंड पर मौजूद रिसॉर्ट में होगी। इसमें भारत और दुनिया भर से करीब 1,400 मेहमान शामिल होंगे। इस इवेंट के आयोजन और सर्विस में 600 से ज्यादा स्टाफ सदस्य शामिल होंगे। इसे वियतनाम में अब तक की सबसे बड़ी भारतीय शादी माना जा रहा।

अमीरों का पसंदीदा जगह बनता जा रहा वियतनाम

वियतनाम बड़े पैमाने पर शादी करने के इच्छुक भारत के अमीर परिवारों के लिए एक पसंदीदा डेस्टीनेशन बनता जा रहा है। खबरों के मुताबिक दिसंबर 2025 में भारत के एक अरबपति परिवार ने शादी के लिए फू क्वोक में सात दिनों के लिए पूरा रिजॉर्ट बुक किया था जिसमें 1,130 से ज़्यादा मेहमान शामिल हुए थे।

वियतनाम में अमीरों का सजेगा मंडप!

दाई ने बताया कि इस जश्न का आयोजन संयुक्त रूप से तुर्की की कंपनी ब्लू लेमन वियतनाम और भारत की एक वेडिंग प्लानिंग और मैनेजमेंट एजेंसी कर रही हैं। हालांकि ये उद्योगपति परिवार कौन हैं इसकी जानकारी का खुलासा नहीं किया गया है। नाम को गोपनीय रखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत और दूसरे देशों से आने वाले मेहमान भारतीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

दिन में सूर्यग्रहण, रात में होगी उल्कापिंड की बारिश

खगोलीय इतिहास के लिए ऐतिहासिक होगा 12 अगस्त

24 घंटे में होंगी 3 बड़ी घटनाएं, दिखेगी ग्रहों की कतार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 अगस्त, 2026 की तारीख दुनिया भर के खगोल विज्ञान के शौकीनों के लिए बेहद खास बनने जा रही है। इस एक दिन 24 घंटे की भीतर तीन बड़ी आसमानी घटनाएं एक साथ होंगी। सुबह सूरज उगने से ठीक पहले छह

ग्रहों की कतार दिखेगी, दिन में पूर्ण सूर्य ग्रहण लगेगा और रात में टूटे हुए तारों यानी पर्सिड उल्कापिंडों की आतिशबाजी होगी।

सुबह दिखेगी 6 ग्रहों की अनोखी कतार

12 अगस्त को सूरज निकलने से लगभग 30 से 60 मिनट पहले आसमान में छह ग्रह, बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून एक लाइन में फैले हुए दिखाई देंगे। इनमें से मंगल, बृहस्पति और शनि को बिना किसी उपकरण के नंगी आंखों से देखा जा सकेगा, जबकि यूरेनस और नेपच्यून को देखने के लिए बाइनोकुलर्स या टेलीस्कोप की जरूरत पड़ेगी।

हो जाइए तैयार!

और पड़ेगी महंगाई की मार

- रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजें जल्द होंगी महंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जल्द ही रोजाना इस्तेमाल होने वाले सामान यानी एफएमसीजी प्रोडक्ट के दाम बढ़ सकते हैं। जियोपॉलिटिकल तनाव के कारण कच्चे माल की लागत यानी इनपुट कॉस्ट लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनियां चालू यानी सितंबर तिमाही में अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले पिछली यानी अप्रैल-जून तिमाही में कंपनियों ने औसतन 2 से 5 फीसदी तक दाम बढ़ाए थे। इस तिमाही यानी जुलाई-सितेबर में कंपनियां सीधे तौर पर रेट बढ़ाने के अलावा 'श्रिंकफ्लेशन' का सहारा ले रही हैं। यानी सामान की कीमत वही रहेगी, लेकिन पैकेट में उसकी मात्रा यानी वजन कम कर दिया जाएगा। कंपनियों का कहना है कि पाम ऑयल, चीनी और क्रूड ऑयल के दामों में उतार-चढ़ाव से मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है। भारत में प्रमुख एफएमसीजी कंपनियां जैसे हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, नेस्ले, डाबर, ब्रिटानिया आदि इन प्रोडक्ट्स में सक्रिय हैं। एफएमसीजी वे रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान हैं जो जल्दी बिकते और खर्च हो जाते हैं।

बिस्किट से लेकर साबुन-तेल सबकी कीमतें बढ़ेंगी

5 और 10 वाले बिस्किट पैकेट का वजन घटेगा

देश की प्रमुख बेकरी और स्नैक कंपनी ब्रिटानिया चालू तिमाही में श्रिंकफ्लेशन के जरिए कीमतों में 1.5 से 2 फीसदी की और बढ़ोतरी कर सकती है। यह कटौती मुख्य रूप से कंपनी के 5 और 10 वाले बिस्किट पैक्स में देखने को मिलेगी। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रक्षित हरगवे ने बताया कि चीनी और पाम ऑयल जैसे कच्चे माल की कीमतें अभी भी ऊंची बनी हुई हैं। पहली तिमाही में हमारी ग्रोथ काफी हद तक श्रिंकफ्लेशन पर निर्भर थी।

2 से 5 फीसदी तक बढ़ सकती है महंगाई

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड भी अपने अलग-अलग प्रोडक्ट कैटेगरी में कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही है। कंपनी का अनुमान है कि जून तिमाही के मुकाबले सितंबर तिमाही में 2 से 5 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी हो सकती है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने जून तिमाही में औसतन 5 फीसदी दाम बढ़ाए थे। कंपनी का कहना है कि वह चालू तिमाही में फिलहाल तुरंत बड़े प्राइस हाइक से बच रही है और कमोडिटी मार्केट के स्थिर होने का इंतजार कर रही है। कंपनी के सीईओ सुधीर सीतापति ने बताया कि गोदरेज के कई इनपुट कॉस्ट कच्चे तेल से जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड फिलहाल 80 से 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। अगर क्रूड इसी रेंज में रहता है तो हमें किसी बड़े प्राइस हाइक की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम वर्ष 27 के लिए अपने रेवेन्यू टारगेट को आसानी से हासिल कर लेंगे। डाबर इंडिया के ग्लोबल सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि कच्चे माल की बढ़ती लागत आने वाले दिनों में भी बनी रह सकती है। कंपनियों के पास इस लागत का बोझ कंज्यूमर्स पर डालने के अलावा दूसरा रास्ता नहीं बचा है।

वेस्ट एशिया संकट और अल-नीनो पर नजर

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एमडी सुनील डी सूजा ने बताया कि लागत का असर काफी डायनेमिक है। अगर जरूरत पड़ी तो कंपनी आगे कीमतों में बदलाव करेगी। वहीं नेस्ले इंडिया ने अपने इन्वेस्टर प्रेजेंटेशन में सचेत किया है कि शॉर्ट-टर्म में ओवरऑल कंजम्पशन थोड़ा सुस्त हो सकता है। कंपनी ने कहा कि वेस्ट एशिया का संघर्ष और मानसून पर एल-नीनो का संभावित असर फूड एंड बेवरेज सेक्टर के लिए चिंता का विषय है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अब 'रक्तदान' का संकल्प

राजनाथ बोले-जवानों के लिए खून की कमी नहीं होने देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में 'सिंदूर आर्मी महा ब्लड डोनेशन यात्रा' के दूसरे वर्ष के अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और रक्तदान को सैनिकों के प्रति देश की जिम्मेदारी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने जहां भारत के पराक्रम को दिखाया, वहीं यह रक्तदान अभियान देश की करुणा और संवेदनशीलता का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वीरता के एक आयाम का प्रतीक था, जबकि सिंदूर रक्तदान अभियान करुणा का दूसरा आयाम दिखाता है।

'एक भी जवान को खून की कमी से जूझना न पड़े'

राजनाथ सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश की सेवा करते हुए घायल होने वाला कोई भी सैनिक खून की कमी के कारण परेशानी में न पड़े। उन्होंने रक्तदान को सैनिकों के प्रति सम्मान और सेवा का माध्यम बताया। उनका कहना था कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के लिए नागरिकों का यह योगदान बेहद महत्वपूर्ण है।

देश में बारिश से 'हाहाकार' कॉलोनियां-सड़कें सब डूबीं

एमपी में पुल के ऊपर बह रही है नर्मदा नदी, संकट गहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मूसलाधार बारिश जारी है। राजस्थान के जयपुर में रविवार सुबह 6 से 9 बजे तक लगातार बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में सड़कों पर 3-4 फीट तक पानी भर गया। घरों में भी पानी घुस गया। वहीं, चूरू में भी कॉलोनियां डूब गईं। मध्य प्रदेश के डिंडौरी में शनिवार रात 9 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक 6 इंच बारिश हुई। पानी

नर्मदा नदी पर बने पुल के ऊपर से बह रहा है। दिल्ली में पिछले 8 दिनों के दौरान महीने भर की बारिश हो गई। दिल्ली में अगस्त के शुरुआती 8 दिनों में 230.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो महीने की सामान्य औसत बारिश 226.8 मिमी से ज्यादा है।

हिमाचल प्रदेश में मूसलधार बारिश के कारण 153 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में मूसलधार बारिश के कारण 153 सड़कें बंद हो गईं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, कई हिस्सों में बिजली व पानी आपूर्ति ठप हो गई। 30 जून को मानसून शुरू होने के बाद से अब तक बारिश से संबंधित घटनाओं में राज्य में 65 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें 14 जानें भूस्खलनों में गई हैं।

'कृष्णलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे'

- संतों ने किया 6 दिसंबर को मथुरा में कारसेवा का ऐलान

मथुरा (एजेंसी)। श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद के बीच मथुरा में साधु-संतों ने एक बार फिर बड़ा कदम उठाते हुए आंदोलन को तेज करने की घोषणा कर दी है। संतों ने 6 दिसंबर को मथुरा में कारसेवा करने का ऐलान किया है। संतों ने इसको लेकर एक नारा भी दिया है जो कि 'कृष्ण लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे' है। दरअसल, मथुरा चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने संतों का नेतृत्व करते हुए राज्य सरकार से अनुमति की मांग की है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमें अनुमति दें, हम श्री कृष्ण का भव्य मंदिर बनाना चाहते हैं।

झारखंड सरकार और छात्रों के बीच हुई वार्ता

- कई मांगों पर बनी सहमति आंदोलन समाप्त करने का जल्द ऐलान संभव

रांची (एजेंसी)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों और राज्य सरकार के बीच रविवार को नए दौर की बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार इस बातचीत में कई मांगों पर सहमति बन गई है। राज्य सरकार 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा समेत तीन को रद्द करने और गड़बड़ी-भ्रष्टाचार मामले की जांच ईडी को सौंपने के लिए तैयार है।

छात्रों का प्रदर्शन 16वें दिन भी जारी

इस बीच, छात्रों का प्रदर्शन रविवार को 16वें दिन भी जारी है और छह प्रदर्शनकारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। एक छात्र नेता ने कहा कि 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग सिविल सेवा परीक्षा रद्द करने के साथ जेपीएससी और जेएसएससी में सुधार की मांगों पर सकारात्मक नतीजे की उम्मीद है। प्रदर्शनकारी कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच कराए जाने की भी मांग कर रहे हैं।

अमरीका में 5 लाख भारतीयों की नौकरी पर संकट

एच-1 बी वीजा वालों की नौकरी गई तो तुरंत छोड़ना पड़ेगा यूएसए

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एच-1 बी वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों की मुश्किल बढ़ सकती है। अमेरिकी सरकार नौकरी जाने के बाद नई नौकरी तलाशने के लिए मिलने वाली 60 दिन की मोहलत खत्म करने पर विचार कर रही है। अगर यह बदलाव लागू होता है तो नौकरी जाने के बाद अमेरिका में रुकना मुश्किल हो सकता है। यह प्रस्ताव फिलहाल व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट को भेजा गया है। अभी यह नियम नहीं बना है। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम कर रहे करीब 5 लाख भारतीयों पर इसका असर पड़ सकता है।

अमेरिका में 7 साल रहने वाले प्रवासियों को ग्रीन कार्ड मिलेगा

अमेरिका में रह रहे भारतीय एच-1बी वीजा धारकों समेत लाखों लोगों के लिए ग्रीन कार्ड पाने का नया मौका मिल सकता है। अमेरिकी सीनेट में एक ऐसा विधेयक पेश किया गया है, जिसमें पिछले 7 साल से लगातार अमेरिका में रह रहे लोगों को ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। ग्रीन कार्ड अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देने वाला आधिकारिक दस्तावेज है। इसे आधिकारिक तौर पर परमानेंट रेजीडेंट कार्ड कहा जाता है।

विदेशमंत्री जयशंकर ने भी उठाया था मुद्दा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं। हालांकि, रूबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रूबियो ने यह भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया। उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

परिसीमन और महिला कोटा बिल पर साथ आए अकाली

सुखबीर बादल ने किया बिल के समर्थन का ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हालिया मुलाकात के बाद पंजाब में बीजेपी और अकाली दल के फिर साथ आने की चर्चा तेज हो गई है। शनिवार को सुखबीर बादल ने परिसीमन बिल और महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को समर्थन देने का ऐलान किया। 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर अकाली दल ने बीजेपी से नाता तोड़ लिया था।

अकाली दल ने दिया बड़ा संकेत

सुखबीर बादल ने शनिवार को चंडीगढ़ में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक के समर्थन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अकाली दल सिख गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा लेता है, जिन्होंने महिलाओं की गरिमा, समानता और अधिकारों का समर्थन किया।

एफडीए की बड़ी कार्रवाई : खाने में मिले कॉकरोच, 2.83 करोड़ का माल जब्त

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मुंबई और नवी मुंबई सहित राज्यभर में 4 से 6 अगस्त तक चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत असुरक्षित और अस्वच्छ खाद्य प्रतिष्ठानों पर बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पांच फूड आउटलेट्स में खाने में कॉकरोच, मक्खियां और गंभीर गंदगी पाई गई। अभियान के तहत राज्य में कुल 19 एफआईआर दर्ज की गईं और 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एडीए ने 20.29 लाख रुपए का प्रतिबंधित गुटखा व पान मसाला और 2.63 करोड़ रुपए के अन्य खाद्य उत्पाद जब्त किए, जिससे कुल 2.83 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया गया। राज्यभर में 31 ठिकानों पर छापेमारी करते हुए 38 सुधार नोटिस जारी किए गए और सात फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित किए गए। जांच के दौरान, पंजाब ग्रिल और कुर्ला के साउथ इंडिया डोसा कॉर्नर जैसे प्रतिष्ठानों में असुरक्षित भंडारण, अधूरे रिकॉर्ड और खराब सफाई-व्यवस्था जैसी गंभीर अनियमितताएं मिलीं। दादर के ईट नीनो प्राइवेट लिमिटेड में भी गंदगी और कर्मचारियों में स्वच्छता की कमी पाई गई। अधिकारियों को टूटे रैक, जंग लगे उपकरण, शौचालय के पास खाना रखा होना और पेस्ट-कंट्रोल सर्टिफ़िकेट की अनुपस्थिति जैसे गंभीर उल्लंघन भी सामने आए। इन कार्रवाइयों से खाद्य सुरक्षा मानकों को लागू करने की एफडीए की प्रतिबद्धता उजागर हुई है।

अंधविश्वास की आड़ में हैवानियत, तांत्रिक ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अंधविश्वास और झाड़-फूंक के नाम पर एक जघन्य अपराध सामने आया है। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में सवायजपुर थाना क्षेत्र में एक तांत्रिक ने भूत-बाधा दूर करने के बहाने आई नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तांत्रिक रामतीर्थ यादव को हिरासत में ले लिया है और मामले की गहनता से जांच कर रही है। दरअसल, कासगंज का रहने वाला पीड़ित परिवार गाजियाबाद में रहता है, जहां उनकी नाबालिग बेटी को बार-बार चक्कर आते थे। परिजनों ने इसे भूत-बाधा मान लिया और गाजियाबाद के एक परिचित की सलाह पर बेटी का इलाज कराने हरदोई पहुंचे। आरोपी तांत्रिक रामतीर्थ यादव, जैतपुर का निवासी, सवायजपुर के घोड़ीधर गांव स्थित एक ईंट-भट्ठे पर चौकीदारी करता था और वहीं झाड़-फूंक का काम भी करता था। बीती 6 अगस्त की शाम पिता अपनी बेटी को लेकर तांत्रिक के पास पहुँचे। आरोप है कि रात करीब 10 बजे तांत्रिक ने विशेष पूजा-पाठ का झांसा देकर पिता को कमरे से बाहर भेज दिया। अकेला पाकर उसने नाबालिग को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। होश आने पर पीड़िता के चिल्लाने पर पिता भीतर पहुंचे। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है और आरोपी रामतीर्थ यादव से पूछताछ जारी है।

नासिक में 4.3 तीव्रता के झटके, मकानों की दीवारों में दरारें

नासिक(एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार रात 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे कई इलाकों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका रात 10 बजे आया, जिसके बाद रविवार सुबह 5 बजकर 33 मिनट पर 3.3 तीव्रता का एक और झटका महसूस हुआ। भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास भनवड इलाके में पांच किलोमीटर की गहराई पर था। इन झटकों के कारण नासिक शहर सहित सुरगाणा और दिंडोरी तहसीलों के कुछ गांवों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं की है। नासिक जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र के बांधों का भी निरीक्षण किया गया है, जिसमें कोई नुकसान नहीं सामने आया है। जिलाधिकारी ने लोगों से न घबराने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर सतर्क रहने को कहा है। नासिक में इससे पहले 25 से 28 जुलाई और 6 अगस्त को भी भूकंप के हल्के झटके महसूस हुए थे।

सिरस में हेपेटाइटिस ए का प्रकोप : दूषित पानी पीने से 100 से अधिक बीमार, दो की हालत गंभीर

सिरसा (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा जिले के देसूजोधा गांव में हेपेटाइटिस ए का गंभीर प्रकोप सामने आया है। जहां कथित तौर पर दूषित पेयजल की आपूर्ति के कारण 100 से अधिक लोग बीमारी की चपेट में आ गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, दो युवा लड़कियों, 21 वर्षीय प्रभजोत और 18 वर्षीय प्रीत कौर की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें क्रमश: एम्स बठिंडा और दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लुधियाना में भर्ती किया गया है। जसमीत कौर, हरप्रीत कौर, गोपी और मनप्रीत कौर सहित कई अन्य लोग सिरसा, बठिंडा और लुधियाना के विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। गांव के सरपंच चरनजीत सिंह और अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि हाल ही में बिछाई गई पाइपलाइन में रिसाव के कारण घरों तक दूषित पानी पहुंचा, इससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही थी, बाद में चिकित्सकीय जांच में हेपेटाइटिस ए की पुष्टि हुई। स्वच्छ पेयजल की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन भी किया। स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाकर पिछले पांच दिनों में गांव के 540 लोगों के नमूने लिए हैं। इसमें से 216 लोगों में बीमारी के संदिग्ध लक्षण मिले हैं, जबकि 45 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। भर्ती मरीजों में दो बच्चे (पांच वर्ष तक), 26 युवा (18 वर्ष तक) और 17 वयस्क (60 वर्ष तक) शामिल हैं, जिनमें 30 पुरुष और 15 महिलाएं हैं। स्थिति का जायजा लेने के लिए जिला प्रशासन की एक टीम ने गांव का दौरा किया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल, मजबूत स्वास्थ्य सेवाएं और प्रभावित मरीजों के इलाज का खर्च प्रशासन द्वारा वहन करने का आश्वासन दिया है।

हर घर तिरंगा यात्रा में उमड़ा देशभक्ति का जज्बा, मुख्यमंत्री धामी ने किया प्रतिभाग

देहरादून (शिखर समाचार) गांधी पार्क देहरादून में रविवार को आयोजित हर घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। उन्होंने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने अपने घरों में तिरंगा फहराने और राष्ट्रभक्ति की भावना को निरंतर मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने गांधी पार्क से घंटाघर तक हजारों लोगों के साथ तिरंगा यात्रा में भी हिस्सा लिया। इस दौरान पूरा मार्ग देशभक्ति के नारों और तिरंगे से सराबोर नजर आया।

यात्रा से पूर्व मुख्यमंत्री ने घंटाघर स्थित उत्तराखंड आंदोलन के महानायक स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी और भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्र गौरव का उत्सव है और राष्ट्रीय ध्वज करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर जवानों ने तिरंगे की आन बान शान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी को सदैव प्रतिबद्ध रहना चाहिए। राष्ट्रभक्ति की भावना देवभूमि के कण कण में बसी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी तकनीक, डिजिटल क्रांति और आत्मनिर्भरता के प्रयासों से देश अनेक क्षेत्रों में नई दिशा दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने अपनी सैन्य क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। उत्तराखंड देवभूमि के साथ वीरभूमि भी है और यहां की मिट्टी ने देश को अनगिनत वीर सैनिक दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और हवाई संपर्क जैसी सुविधाओं को मजबूत करने के साथ युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का काम कर रही है। राज्य में 20 हजार से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए हैं और स्टार्टअप की संख्या 1750 से अधिक पहुंच गई है। पिछले एक वर्ष में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में 7.23 प्रतिशत की वृद्धि और प्रतिव्यक्ति आय में 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने का दावा मुख्यमंत्री ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की संस्कृति और मूल स्वरूप से किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने सरकार की विभिन्न नीतियों और कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और नकल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है तथा पिछले करीब पांच वर्षों में 34 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, खजान दास, विधायक उमेश शर्मा काऊ, विनोद चमोली, सविता कपूर, महापौर सौरभ थपलियाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आरक्षण में क्रीमि लेयर की बात करना बाबा साहब के उद्देश्यों के खिलाफ

-मायावती ने संघ प्रमुख भागवत के बयान को संकीर्ण, राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित बताया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होना हैं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बीजेपी और बहुजन समाज पार्टी भी चुनावी तैयारियों में जुट गई हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर आरक्षण का समर्थन किया। आरक्षण में क्रीमि लेयर लाए जाने को लेकर उन्होंने कहा है कि यह बाबासाहब अंबेडकर के उद्देश्यों के खिलाफ है, साथ ही उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी सोच संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण बेहद संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि इन समुदायों ने लंबे समय तक जाति के आधार पर भेदभाव झेला है। उन्होंने कहा कि आज भी इन वर्गों के साथ शोषण और अन्याय पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मायावती के मुताबिक ऐसे में आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' की बात करना बाबासाहेब आंबेडकर के उद्देश्यों के खिलाफ है। उनका कहना है कि किसी की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए बल्कि सभी को ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करना चाहिए।

हाल ही में आरक्षण को लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि आरक्षण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि आरक्षण सामाजिक कारणों से है। जब तक सामाजिक भेदभाव रहेगा, तब तक आरक्षण जारी रहेगा, जिन लोगों को इसका लाभ मिला है, उन्हें आगे आकर उदारता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा था कि आरक्षण का लाभ लेने वालों को अपनी इच्छा से इसका लाभ छोड़ने पर विचार करना चाहिए। अब मायावती ने संघ प्रमुख के बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ऐसी जातिवादी सोच संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को बढ़ावा देती है और संविधान के उद्देश्यों के खिलाफ है।

मायावती ने कहा कि देश में जातिवाद अभी भी मौजूद है और यह जमीनी स्तर पर आज भी फैला हुआ है। उनका कहना है कि आरएसएस इससे अच्छी तरह वाकिफ है। उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकारों ने भी इस जमीनी सच्चाई को समझा है। अगर मौजूदा सरकार एससी और एसटी वर्ग को क्रीमी लेयर से बाहर रखने के लिए मजबूत दलील के साथ कोर्ट में अपना पक्ष रखती है, तो यह पूरी तरह उचित और संविधान के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा कि कई बार सरकारों की कमजोर कानूनी पैरवी के कारण अदालतों में सामाजिक बदलाव से जुड़े मामलों में सही फैसला नहीं हो पाता। मायावती ने आरएसएस से आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि आरक्षण में किसी भी तरह के बदलाव की वकालत बंद होनी चाहिए और समाज में बराबरी की व्यवस्था स्थापित करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

मानसून सत्र के चार दिन शेष, कांग्रेस अपनी मांगों पर अड़ी

-जयराम बोले- पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री दें बयान और पीएम मोदी राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े आरोपों पर जवाब दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की तय समयावधि के अनुसार इस सत्र के समाप्त होने में अब महज चार कार्यदिवस शेष हैं और विपक्ष ने सरकार पर सदन की कार्यवाही बाधित होने को लेकर एक बार फिर निशाना साधा है। कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई पर संसद के दोनों सदनों में आकर जवाब देने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि गृह मंत्री के सदन में उपस्थित होकर सांसदों के सवालों का सामना नहीं करने के कारण संसद का कामकाज लगातार प्रभावित हो रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि पिछले करीब 15 दिनों से संसद की कार्यवाही सामान्य रूप से नहीं चल पाई है और इसके लिए उन्होंने गृह मंत्री शाह के पुलिस कार्रवाई पर बयान देने से इनकार को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है, इसलिए प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री को सदन में अपना पक्ष रखना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अमित शाह संसद परिसर में अपने कार्यालय में मौजूद रहते हैं और घंटों बैठते हैं, लेकिन लोकसभा और राज्यसभा में आकर सांसदों के सवालों का सामना करने से बच रहे हैं। उन्होंने गृह मंत्री की सदन में लगातार अनुपस्थिति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

जयराम रमेश ने गृह मंत्री के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा मानसून सत्र के दौरान दोनों नेताओं की 'कायरता' सामने आ गई है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सरकार को विपक्ष और प्रदर्शन कर रहे छात्रों के सवालों का जवाब देने से बचने के बजाय संसद में चर्चा करनी चाहिए। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े 'चढ़ावा चोरी' और 'आस्था के साथ धोखे' के आरोपों पर भी संसद में जवाब देने की मांग की है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 5 फरवरी 2020 को लोकसभा में राम मंदिर ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी। ऐसे में ट्रस्ट को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर प्रधानमंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा गठित ट्रस्ट पर देशवासियों की आस्था और भरोसे के साथ विश्वासघात करने के आरोप लग रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इतने गंभीर आरोपों के बीच प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप नहीं रह सकते। मानसून सत्र के अब केवल चार कार्यदिवस बाकी हैं। ऐसे में विपक्ष की मांगों और सरकार के रुख के बीच संसद की शेष कार्यवाही भी हंगामेदार रहने के आसार हैं।

खाद को लेकर किसानों ने लगाए कृषि मंत्री मुर्दाबाद के नारे, मुस्कुराते रहे मंत्री राणा

-बोले-आराम से नहीं, नारे जरा जोर से लगाओ, फिर दिया किसानों को आश्वासन

यमुनानगर (एजेंसी)। यमुनानगर के साढ़ौरा में रविवार को उस वक्त माहौल गरमाया गया जब कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के सामने ही किसानों ने जमकर नारेबाजी की। मामला खाद वितरण से जुड़ा है। खाद नहीं मिलने से नाराज किसानों ने कृषि मंत्री के सामने ही कृषि मंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए। हैरानी की बात ये रही कि किसानों की नारेबाजी पर कृषि मंत्री हंसते हुए नजर आए। मंत्री ने किसानों से कहा कि नारे थोड़े आराम से लगाए हैं, जरा जोर से लगाओ।

हालांकि, इसके बाद कृषि मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके से ही एक उच्च अधिकारी को फोन किया और किसानों की समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। दरअसल, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा साढ़ौरा में वन महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान खाद की समस्या को लेकर परेशान किसानों ने कृषि मंत्री का घेराव करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की और मुर्दाबाद के नारे लगाए।

किसानों का आरोप था कि साढ़ौरा में खाद का वितरण नहीं हो रहा, जिसके चलते उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री के सामने नारेबाजी का ये वीडियो अब चर्चा का विषय बना हुआ है। मंत्री श्याम सिंह राणा किसानों की नारेबाजी के दौरान हंसते हुए नजर आए। फिलहाल कृषि मंत्री के आश्वासन के बाद किसानों को समस्या के समाधान की उम्मीद है, लेकिन खाद को लेकर किसानों का गुस्सा साफ तौर पर सामने आ गया है।

डाक कांवड़ की बढ़ती भीड़ के बीच डीएम-एसएसपी ने मोतीचूर तक हाईवे का किया निरीक्षण

हरिद्वार (शिखर समाचार) कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण में डाक कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने रविवार को जीरो ग्राउंड पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने मोतीचूर तक राजमार्ग का निरीक्षण कर डाक कांवड़ियों की भीड़, वाहनों की आवाजाही, पार्किंग और यातायात व्यवस्था की स्थिति देखी तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बढ़ती भीड़ को देखते हुए पार्किंग स्थलों पर पर्याप्त विद्युत, पेयजल और शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शौचालयों में नियमित साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को वर्षा के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी की निकासी के प्रभावी इंतजाम करने तथा रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ पूरी संवेदनशीलता से कार्य करें और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने दें।

अधिकारियों ने शंकराचार्य चौक स्थित स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया। यहां उपचार करा रहे कांवड़ियों से स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि चोट लगने या अन्य स्वास्थ्य समस्या के कारण शिविर में पहुंचने वाले शिवभक्तों का तत्काल उपचार सुनिश्चित किया जाए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यातायात के दबाव को देखते हुए भारी वाहनों को बैरागी कैंप और दक्ष द्वीप की ओर तथा दोपहिया वाहनों को गड्ढा पार्किंग, दीनदयाल पार्किंग, रोडीबेलवाला और पंतदीप पार्किंग में भेजा जा रहा है। उन्होंने पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को अंतिम चरण में भी पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी करने के निर्देश दिए। प्रशासन और पुलिस ने श्रद्धालुओं से निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़े करने तथा यातायात एवं मार्ग परिवर्तन संबंधी निदेर्शों का पालन करने की अपील की।

इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक अभय प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक रेनू लोहानी, नगर क्षेत्राधिकारी शिशुपाल सिंह नेगी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

डाक कांवड़ियों से पटी धर्मनगरी, हाईवे पर दौड़ रही मोटरसाइकिलों की कतारें

हरिद्वार (शिखर समाचार) धर्मनगरी हरिद्वार इस समय पूरी तरह शिवमय हो चुकी है। रविवार से डाक कांवड़ियों का हरिद्वार पहुंचना शुरू होते ही शहर और आसपास के कांवड़ मार्गों पर शिवभक्तों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। रात्रि 12 बजे के बाद मोटरसाइकिलों और अन्य वाहनों से शिवभक्तों के पहुंचने का सिलसिला तेज हो गया। रविवार सुबह 8 बजे तक हरिद्वार के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कांवड़िए नजर आए। राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी मोटरसाइकिलों की लंबी कतारें दिखाई देने के कारण बड़े वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है।

डाक कांवड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर पुलिस बल के साथ जीरो ग्राउंड पर उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। शहर से छोटे-बड़े वाहनों को राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर जाने से रोकने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है, ताकि डाक कांवड़ के आवागमन में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो।

बहादराबाद चौराहे से लेकर जटवाड़ा, सिंहद्वार, प्रेमनगर पुल, शंकराचार्य चौक, चंडी चौक, पवनधाम और शांतिकुंज होते हुए नेपाली फार्म तक डाक कांवड़ियों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। शिवभक्त तेजी से हरिद्वार पहुंचकर गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। डाक कांवड़ियों की आवाजाही 11 अगस्त तक जारी रहने की संभावना है। इसके चलते

धर्मनगरी में स्थानीय नागरिकों को भी एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार जुटे हुए हैं। मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ वाहनों के आवागमन को नियंत्रित किया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही के साथ स्थानीय लोगों को भी यथासंभव परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निदेर्शों के तहत जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लगातार जीरो ग्राउंड पर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों के सक्रिय रहने से अभी तक यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

जिनपिंग के दौरे से पहले भारत ने चीन को दिए 3 टास्क, एलएसी पर तनाव कम करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में प्रस्तावित भारत दौरे से पहले नई दिल्ली और बीजिंग के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जिनपिंग के शामिल होने की संभावना के बीच दोनों देशों ने सीमा पर तनाव को नियंत्रित रखने पर जोर दिया है। यह दौरा हुआ तो करीब सात साल बाद जिनपिंग की भारत यात्रा होगी। इसी क्रम में भारत और चीन के बीच 6 अगस्त को नई दिल्ली में सीमा मामलों पर वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन यानी डब्ल्यूएमसीसी की 36वीं बैठक हुई। बातचीत में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति, सीमा प्रबंधन, सीमांकन और सीमा पार सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा पर शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी है। भारत ने बातचीत में यह स्पष्ट किया कि सीमा पर शांति बनाए रखना दोनों देशों के व्यापक रिश्तों के लिए अहम है। साथ ही गलतफहमी और गलत आकलन से बचने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य संवाद तंत्र को लगातार सक्रिय रखने पर सहमति बनी। इसमें सैन्य स्तर पर स्थानीय कमांडर बैठकें और अन्य स्थापित संवाद माध्यम शामिल हैं।

सीमा विवाद के साथ सीमा पार नदियों का मुद्दा भी भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इससे पहले मई में हुई डब्ल्यूएमसीसी बैठक में भारत ने सीमा पार नदियों से जुड़े विशेषज्ञ स्तर के तंत्र की अगली बैठक जल्द आयोजित करने पर जोर दिया था। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य स्तर पर नियमित संपर्क जारी रखने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी। भारत-चीन संबंध 2020 के गलवान संघर्ष के बाद लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे। इसके बाद दोनों पक्षों ने कई चरणों की सैन्य और राजनयिक वार्ता के जरिए सीमा पर तनाव कम करने की कोशिश की। हाल के वर्षों में कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी और संवाद की बहाली से संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य करने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। अब जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा को इसी प्रक्रिया की अगली बड़ी परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। भारत की प्राथमिकता साफ है कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनी रहे और किसी भी गलतफहमी को सैन्य टकराव में बदलने से पहले संवाद के जरिए सुलझाया जाए। चीन इस दिशा में कितना सहयोग करता है, इसका असर दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने की गति पर पड़ेगा।

मेरठ रोड पर कांवड़ियों पर बरसे फूल, नगर निगम ने किया भव्य स्वागत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा महोत्सव को सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के साथ ही गाजियाबाद नगर निगम ने कांवड़ यात्रियों के स्वागत और उत्साहवर्धन में भी कोई कसर नहीं छोड़ी हुई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर रविवार को मेरठ रोड पर भव्य पुष्प वर्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, नगर निगम, जीडीए और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया व कांवड़ यात्रा की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में महापौर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ सहित नगर निगम के अधिकारी और पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने एक मंच पर एकजुट होकर कांवड़ यात्रियों का अभिनंदन किया। जैसे ही कांवड़ियों का जत्था मेरठ रोड से गुजरा, उन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई गईं। पुष्प वर्षा होते ही कांवड़ियों में भी उत्साह और उमंग दिखाई दी। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने बताया कि पुष्प वर्षा के लिए विशेष रूप से गुलाब, गेंदे और चमेली के फूलों

की पंखुड़ियों का इस्तेमाल किया गया। करीब तीन से चार क्विंटल फूलों की पंखुड़ियों से कांवड़ यात्रियों का स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि कांवड़ियों के स्वागत के लिए 10 अगस्त को भी भव्य पुष्प वर्षा का आयोजन किया जाएगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी कांवड़ यात्रा के दौरान 24 घंटे व्यवस्थाओं में जुटा हुआ है। कांवड़ मार्ग की सफाई, प्रकाश, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर किया जा रहा है। कांवड़ शिविरों के आसपास भी विशेष सफाई व्यवस्था रखी जा रही है। निगम की टीमें कांवड़ मार्ग को प्रतिदिन व्यवस्थित करने में लगी हैं। निगम के अधिकारी और कर्मचारी एक ओर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सेवा और श्रद्धा भाव से कांवड़ यात्रियों की सुविधा में जुटे हैं। कांवड़ यात्रा को लेकर निगम कर्मचारियों और अधिकारियों में विशेष उत्साह है। महापौर सुनीता दयाल ने कांवड़ यात्रियों को यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गाजियाबाद से होकर लाखों की संख्या में कांवड़ यात्री गुजरते हैं। उनके स्वागत और सुविधा के लिए प्रशासन, नगर निगम और पुलिस विभाग की टीमें दिन-रात मेहनत कर रही हैं। स्वच्छता और बेहतर व्यवस्थाओं के कारण कांवड़ यात्रियों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। पुष्प वर्षा कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और पुलिस-नगर निगम की टीम का एक साथ दिखाई देना भी खास आकर्षण रहा। कांवड़ यात्रियों ने भव्य स्वागत और पुष्प वर्षा के लिए गाजियाबाद नगर निगम का आभार जताया।

युवा देश की धरोहर, नशे और बुरी प्रवृत्तियों से रहें दूर : नरेश मुनि

शामली (शिखर समाचार) शहर के श्री श्वेतांबर जैन स्थानक मंदिर में चातुर्मास कार्यक्रम के अंतर्गत युवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में संघ संचालक नरेश मुनि महाराज ने युवाओं को नशे और बुरी प्रवृत्तियों से दूर रहकर संयमित, संस्कारित और मर्यादित जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी धरोहर हैं और उनके कंधों पर राष्ट्र का भविष्य

टिका हुआ है। इसलिए युवाओं को अपने जीवन के प्रति सजग रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नरेश मुनि महाराज ने कहा कि आज के समय में युवा वर्ग पर आधुनिक जीवनशैली और गलत संगति का प्रभाव तेजी से पड़ रहा है। नशा और बुरी आदतें व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक विकास में बाधक बनने के साथ उसके पूरे परिवार को भी प्रभावित करती हैं। उन्होंने युवाओं से नकारात्मक विचारों से दूर रहने तथा अपने से बड़े और बुजुर्गों के अनुभव का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के अनुभव युवाओं के लिए जीवन की महत्वपूर्ण सीख साबित हो सकते हैं। उन्होंने युवाओं को शाकाहार, संयम और सात्विक जीवन अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक विचार ही व्यक्ति को सफलता की ओर ले जाते हैं। युवाओं को अपनी ऊर्जा रचनात्मक कार्यों, शिक्षा, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण में लगानी चाहिए। कार्यक्रम में चेयरमैन अरविंद संगल, डॉ. अर्जुन वर्मा, संजय संगल, सतीश चंद्र जैन, नानक चंद जैन, राजीव जैन, अभिषेक जैन, नितिन जैन, पंकज जैन, सत्येंद्र जैन, राजकुमार जैन, दीपक जैन, जय कुमार जैन और अनुज जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर ने कांवड़ मार्ग से दूधेश्वरनाथ मंदिर तक परखी सुरक्षा व्यवस्था, सभी को अलर्ट रहने के दिए निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए गाजियाबाद पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। रविवार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर ने एएलटी से गंगनहर होते हुए कादराबाद मेरठ बॉर्डर तक कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने कोतवाली नगर स्थित ऐतिहासिक दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचकर वहां श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, श्रद्धालुओं की आवाजाही और ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की सतर्कता को बारीकी से परखा। उन्होंने अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग पर पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए, ताकि कांवड़ियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों और अन्य वाहन चालकों को भी अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

राजकरन नैय्यर ने बैरिकेडिंग व्यवस्था और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की तैनाती की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय

बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल लगातार अलर्ट मोड में रहे और सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। दूधेश्वरनाथ मंदिर पर उन्होंने श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था, कतारबद्ध दर्शन, सुरक्षा प्रबंध और मंदिर परिसर में तैनात पुलिस बल की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो और भीड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित किया जाए। मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करते हुए पूरी मुस्तैदी से जिम्मेदारी निभाने को कहा गया। कांवड़ यात्रा और सावन के दौरान दूधेश्वरनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन द्वारा लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है।

पार्श्वनाथ बिल्डिंग में गोलीकांडः सरिया चोरी के शक में गार्ड ने चलाई गोली, 17 वर्षीय समीर की मौत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के अर्थला इलाके में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब अर्धनिर्मित पार्श्वनाथ बिल्डिंग परिसर में तैनात सिक्योरिटी गार्ड ने लाइसेंसी हथियार से गोली चला दी। गोली एक युवक को जा लगी। गंभीर हालत में युवक को उपचार के लिए एमएमजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सिक्योरिटी गार्ड को हिरासत में लेने के साथ ही लाइसेंसी हथियार भी बरामद कर लिया है। थाना साहिबाबाद क्षेत्र में हिंडन पुल चौकी के अंतर्गत अर्थला इलाके में पार्श्वनाथ बिल्डिंग का परिसर अर्धनिर्मित है। यहां सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड तैनात रहते हैं। रविवार को परिसर में गोली चलने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच की। जांच में सामने आया कि वहां तैनात सिक्योरिटी गार्ड विवेक यादव ने अपने लाइसेंसी असलहे से गोली चलाई थी। गोली युवक समीर पुत्र नबी अहमद को लगी थी। गोली लगने के बाद समीर गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक - समीर

आनन-फानन में उसे उपचार के लिए एमएमजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सिक्योरिटी गार्ड विवेक यादव ने बताया कि कुछ युवक अर्धनिर्मित परिसर से लोहे की सरिया और अन्य सामान चोरी करने का प्रयास कर रहे थे। गार्ड के मुताबिक, उन्हें डराने और वहां से भगाने के उद्देश्य से उसने लाइसेंसी हथियार से गोली चलाई थी। इसी दौरान गोली समीर को लग गई। हालांकि, गोली चलाने की परिस्थितियों और घटना के पूरे घटनाक्रम की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। घटना के बाद पुलिस ने सिक्योरिटी गार्ड को हिरासत में ले लिया है। उसके पास मौजूद लाइसेंसी हथियार को भी पुलिस ने कब्जे में लेकर बरामद कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त होने के बाद मामले में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जाएगा और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों को भी जुटा रही है। साथ ही गोली चलने की वजह, मौके पर मौजूद लोगों और घटना के समय वहां की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि पुलिस की मौजूदगी के बाद मौके पर स्थिति सामान्य है। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया है। सिक्योरिटी गार्ड हिरासत में है और लाइसेंसी हथियार बरामद कर लिया गया है। मृतक पक्ष से तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

शामली (शिखर समाचार) शामली सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने बनत स्थित अपने शिविर कार्यालय पर साथियों और कार्यकताओं के साथ जनपद में प्रवेश करने वाले शिवभक्त कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान विधायक ने कांवड़ियों का सम्मान करते हुए उनकी मंगलमय और सुरक्षित यात्रा की कामना की। कांवड़ियों के स्वागत के लिए शिविर कार्यालय के आसपास विशेष व्यवस्था की गई

थी। प्रसन्न चौधरी ने कहा कि भगवान शिव के प्रति आस्था लेकर दूर दराज के क्षेत्रों से हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाने वाले शिवभक्तों की सेवा और उनका स्वागत करना सौभाग्य की बात है। कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक आस्था, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों की सेवा के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए और यात्रा के दौरान कांवड़ियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने भी कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। पुष्पवर्षा के बीच कांवड़ियों के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया। स्वागत के दौरान कांवड़ियों से उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी ली गई और उन्हें किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर सहयोग का भरोसा दिलाया गया। विधायक ने कहा कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी को आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ शिवभक्तों का सहयोग करना चाहिए।

हैलीकॉप्टर से कांवड़ मार्ग का जायजा लेते हुए डीसीपी धवल जायसवाल ने कांवड़ियों पर बरसाए फुल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस लगातार जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी कर रही है। रविवार को पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने राजकीय हेलीकॉप्टर से कांवड़ मार्गों का हवाई निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं के लिए की गई सुविधाओं का प्रत्यक्ष जायजा लिया। इस दौरान आसमान से शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया गया। हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा का दृश्य देखते ही कांवड़ियों में उत्साह और उमंग की लहर दौड़ गई। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर डीसीपी धवल जायसवाल ने राजकीय हेलीकॉप्टर से प्रमुख कांवड़ मार्गों का हवाई निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रा मार्गों पर कांवड़ियों की भीड़, यातायात की स्थिति, सुरक्षा इंतजाम और श्रद्धालुओं की आवाजाही का बारीकी से आकलन किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस की ओर से की गई व्यवस्थाओं की भी निगरानी की गई, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को परेशानी का सामना न करना पड़े।

हवाई निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने कांवड़ मार्ग पर चल रहे शिवभक्तों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। पाइपलाइन मार्ग, गंगनहर पटरी मार्ग, मुरादनगर गंगनहर घाट,

राजचौपला और उसके आसपास के क्षेत्रों में आसमान से फूल बरसते देख कांवड़ियों में जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने भी हाथ उठाकर पुलिस का अभिवादन किया और इस अनूठे स्वागत का आनंद लिया। कांवड़ यात्रा के दौरान गाजियाबाद से बड़ी संख्या में शिवभक्त गुजर रहे हैं। ऐसे में पुलिस और प्रशासन की प्राथमिकता श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। प्रमुख कांवड़ मार्गों पर लगातार पुलिस बल तैनात किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, जबकि यातायात को व्यवस्थित रखने के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। हवाई निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कांवड़ मार्गों की जमीनी स्थिति का भी आकलन किया। भीड़ वाले क्षेत्रों, घाटों और प्रमुख चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था को परखा गया। पुलिस की कोशिश है कि हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में किसी प्रकार की बाधा न हो। डीसीपी धवल जायसवाल द्वारा हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर की गई पुष्पवर्षा ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच आस्था और सम्मान का भाव भी प्रदर्शित किया। आसमान से बरसते फूल और नीचे जयकारे लगाते शिवभक्तों का दृश्य बेहद मनमोहक नजर आया। पूरे कांवड़ मार्ग पर कुछ देर के लिए ऐसा माहौल बना, मानो आसमान से भी शिवभक्तों का स्वागत किया जा रहा हो। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है। हवाई निरीक्षण और जमीनी निगरानी के जरिए भीड़ वाले क्षेत्रों की स्थिति पर नजर रखकर जरूरत के अनुसार तत्काल व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं। सुरक्षा, सेवा और श्रद्धा के इस संगम ने गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा के माहौल को और भी भव्य बना दिया।

मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार, आठ मोबाइल और दो बाइक बरामद

बिजनौर (शिखर समाचार) कोतवाली देहात पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के आठ मोबाइल फोन और वारदातों में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार छह अगस्त को चांदपुर थाना क्षेत्र के गांव हैजरपुर निवासी निखिल कुमार ने कोतवाली देहात थाने में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोरों ने उसके और उसके साथियों के मोबाइल फोन चोरी कर लिए हैं। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में जांच करते हुए महत्वपूर्ण सुराग जुटाए। पुलिस ने निगरानी तंत्र और मुखबिर की सूचना के आधार पर किरतपुर के मोहल्ला राधगान निवासी उजैर, अमन और अनस, मोहल्ला मिलकियान निवासी अजहर तथा बलीपुरा निवासी शाहरुख को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने मोबाइल चोरी की घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर ग्राम सराय डडुंबर की ओर जाने वाले रास्ते पर स्थित आम के बाग से चोरी किए गए आठ मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने वारदातों में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें भी कब्जे में ली हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह से जुड़ी अन्य घटनाओं और संभावित साथियों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बरामद मोबाइल फोन और मोटरसाइकिलों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर नगर पालिका ने शुरू की तैयारियां

शामली (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर नगर पालिका परिषद शामली ने हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रविवार को पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने तैयार किए जा रहे राष्ट्रीय ध्वजों की संख्या, डंडों की गुणवत्ता और वितरण की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगर पालिका कार्यालय में कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वजों में डंडे लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब तक करीब दो हजार राष्ट्रीय ध्वज तैयार किए जा चुके हैं। लक्ष्मण बाबू और

अनिल शर्मा के पर्यवेक्षण में 18 कर्मचारियों की टीम ध्वज तैयार करने के कार्य में जुटी है। पालिका अध्यक्ष ने बताया कि पिछले वर्ष नगर में 17 हजार राष्ट्रीय ध्वज वितरित करने का लक्ष्य रखा गया था, जबकि इस बार लक्ष्य बढ़ाकर 23 हजार किया गया है। इस बार विशेष रूप से राष्ट्रीय ध्वज के साथ डंडा भी नगर पालिका की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विद्यालयों, समितियों, पत्रकारों, विभिन्न संगठनों, ट्रस्टों, क्लबों तथा धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों को भी राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराए जाएंगे। ध्वज वितरण का कार्य 12 से 15 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक किया जाएगा। अरविंद संगल ने नगरवासियों से अपील की कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों, प्रतिष्ठानों और कारखानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज केवल देश की स्वतंत्रता और गौरव का प्रतीक ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत करने का माध्यम भी है।

21 किलो गांजे की खेप लेकर जा रहे 3 तस्करों से विजयनगर पुलिस की मुठभेड़, 2 के पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत गाजियाबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार देर रात स्वाट टीम, सर्विलांस टीम और थाना विजयनगर पुलिस की संयुक्त टीम की मादक पदार्थ तस्करों से मुठभेड़ हुई। बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर सवार तीन युवक इंदिरापुरम से हिंडन बैराज की ओर 21 किलो गांजे की खेप लेकर जा रहे थे। पुलिस की घेराबंदी के दौरान अभियुक्तों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो अभियुक्त गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीसरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसी कड़ी में पुलिस को सूचना मिली थी कि तीन व्यक्ति बिना नंबर प्लेट की स्कूटी से मादक पदार्थों की खेप लेकर इंदिरापुरम से हिंडन बैराज की तरफ

जा रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए स्वाट टीम, सर्विलांस टीम और थाना विजयनगर पुलिस ने इलाके में चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान पुलिस टीम को संदिग्ध स्कूटी आती दिखाई दी। पुलिस ने स्कूटी सवारों को रुकने का इशारा किया, लेकिन अभियुक्तों ने रुकने के बजाय स्कूटी को पुश्ता रोड की तरफ मोड़ दिया और कच्चे रास्ते पर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। भागने के दौरान अभियुक्तों की स्कूटी फिसल गई और 3 सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान अभियुक्तों ने पुलिस टीम को अपनी ओर आता देखकर फायरिंग शुरू कर दी।पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। मुठभेड़ में अनस के पैर में दो गोलियां और दिलशाद के पैर में एक गोली लगी। दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं, पुलिस ने मौके से तीसरे अभियुक्त असलम को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने इनके कब्जे से 21 किलो गांजा, बिना नंबर प्लेट की एक स्कूटी, दो अवैध तमंचे तथा खोखे और कारतूस बरामद किए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में गांजा कहां से लाया गया था और इसकी सप्लाई कहां की जानी थी। घायल अनस का आपराधिक इतिहास भी लंबा है और उसके खिलाफ डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। अन्य दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किसी संगठित मादक पदार्थ तस्करी गिरोह से जुड़े हैं या नहीं। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए। बरामद हथियारों, कारतूस और गांजे को कब्जे में लेकर अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली उपासना पाण्डेय ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई को गांजा तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार के तौर पर देखा जा सकता है और इससे दिल्ली एनसीआर में गांजे की बिक्री पर असर पड़ेगा।

कांवड़ मार्गों पर डीएम एसपी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

शामली (शिखर समाचार) श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने रविवार को थाना बाबरी क्षेत्र में कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने कांवड़ शिविरों, विश्राम स्थलों के साथ पेयजल, चिकित्सा, प्रकाश, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मार्ग में मौजूद शिवभक्त कांवड़ियों से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम जानी तथा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। श्रद्धालुओं ने प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और

जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने कांवड़ मार्ग पर भीड़ प्रबंधन, संवेदनशील स्थानों की निगरानी और यातायात व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़ बढ़ने की स्थिति में तत्काल आवश्यक पुलिस बल और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कांवड़ मार्गों पर लगे निगरानी कैमरों और आकाशीय निगरानी के माध्यम से भी लगातार नजर रखी जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा आकस्मिक स्थिति की जानकारी समय से मिल सके। जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिवभक्तों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ड्यूटी में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस मुठभेड़ में हत्या का आरोपी सरफिरा आशिक घायल, अवैध हथियार बरामद

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कस्बे के मंदवाड़ा मार्ग पर रविवार को पुलिस और हत्या के आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी हाशिम पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध हथियार बरामद करने का दावा किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह करीब सात बजे कस्बे के मोहल्ला नई बस्ती में हाशिम पुत्र अनीश अब्बासी ने अपनी कथित प्रेमिका मीना के पति नसीम सैफी उर्फ तालिब निवासी मेरठ पर गंडासे से हमला कर दिया था। हमले में नसीम गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए मेरठ के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के भाई आकिल ने कोतवाली में तहरीर देकर हाशिम और मीना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। रविवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या का आरोपी हाशिम मंदवाड़ा रोड पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें हाशिम के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके कब्जे से अवैध हथियार बरामद किया। घायल हाशिम को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

इंडिया बायोएनर्जी एक्सपो में गांवों में रोजगार और आर्थिक अवसरों पर रहेगा जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश की कृषि और पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था को बायोएनर्जी क्षेत्र से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर विकसित करने की संभावनाओं पर इंडिया बायोएनर्जी एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो 2026 में विशेष चर्चा होगी। तीन दिवसीय आयोजन 11 से 13 अगस्त तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होगा। इसमें नीति-निमार्ता, उद्योग जगत, निवेशक, तकनीकी कंपनियां और शोधकर्ता बायोएनर्जी क्षेत्र की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। एक्सपो में गांव और समूह स्तर पर रोजगार सृजन को लेकर विशेष रूप से मंथन किया जाएगा। केंद्र सरकार की गोबरधन पहल के तहत पशुओं के गोबर, कृषि अवशेष और अन्य जैविक कचरे से बायोगैस, संपीड़ित जैव गैस तथा जैविक खाद तैयार करने की संभावनाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने पर जोर रहेगा। इसके माध्यम से गांवों में ही कचरे के संग्रह, परिवहन, प्रसंस्करण और उपयोग की व्यवस्था विकसित कर रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर चर्चा होगी। आईएफजीई के महानिदेशक संजय गंजू ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास अपनी कृषि और पशुधन क्षमता को उभरती बायोएनर्जी अर्थव्यवस्था से जोड़ने का बड़ा अवसर है। कचरे के संग्रह और परिवहन से लेकर संयंत्र संचालन, जैविक खाद के प्रसंस्करण और विपणन तक पूरी प्रक्रिया ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, किसानों और स्थानीय उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि एक्सपो तकनीक, निवेश और नीतिगत सहयोग के माध्यम से इन संभावनाओं को बड़े स्तर पर ले जाने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। आयोजन में यह भी बताया जाएगा कि गांव और समूह स्तर की बायोएनर्जी परियोजनाएं किसानों को अतिरिक्त आय देने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ा सकती हैं। ग्रामीण युवा संयंत्र संचालक, तकनीशियन और सेवा प्रदाता के रूप में कार्य कर सकते हैं, जबकि स्वयं सहायता समूह और स्थानीय उद्यमी जैविक कचरे के संग्रह, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन से जुड़ सकते हैं। इससे जैविक कचरे को ऊर्जा और खाद में बदलकर गांवों में आय और रोजगार का नया चक्र विकसित किया जा सकता है।

आवारा पशुओं पर चला अभियान, बड़ी संख्या में पकड़े

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं के कारण लगातार हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर शनिवार दोपहर करीब दो बजे यमुना प्राधिकरण की टीम ने विशेष अभियान चलाकर सड़क और आसपास के इलाकों में घूम रहे बड़ी संख्या में आवारा पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में भेजा। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अधिकारियों के अनुसार, अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण होने वाले हादसों पर रोक लगाना और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। दनकौर क्षेत्र में जिन स्थानों पर आवारा पशुओं की संख्या अधिक पाई जा रही है, वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि सड़कों पर घूमने वाले पशुओं को तत्काल पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो और दुर्घटनाओं की आशंका कम की जा सके। प्रशासन की ओर से बताया गया कि अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में भी लगातार कार्रवाई जारी रखी जाएगी। आवश्यकता के अनुसार अभियान का दायरा बढ़ाकर अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने संबंधित टीमों को सड़कों पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश

सरयू का जलस्तर बढ़ने से घिरने लगे कई इलाके, डिघिया पर लाल निशान से 20 सेमी पार; कटान रोकने के सिस्टम फेल

वाराणसी, एजेंसी। आजमगढ़ सगड़ी तहसील क्षेत्र के डिघिया नाले पर सरयू लाल निशान से 20 सेमी ऊपर बह रही है, वहीं बदरहुआ नाले पर लाल निशान से दूरी मात्र 38 सेमी रह गई है। सरयू का जलस्तर लगातार बढ़ने से तटवर्ती गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

नदी का पानी बढ़ने के साथ ही ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ गई है। क्षेत्र के चक्की गांव की सिवान पानी से घिरने लगी है। इसके बाद देवारा खास राजा, बांका, बूढ़नपट्टी, शाहडीह, मानिकपुर, सोनौरा और अभनपट्टी समेत अन्य गांव प्रभावित होते हैं।

बाढ़ प्रभावित गांवों में हर वर्ष सबसे बड़ी समस्या संपर्क मार्गों पर पानी भरने के बाद आवागमन की होती है। नदी का जलस्तर बढ़ने से अभी नदी और बांध के बीच स्थित बाहा और छोटे-छोटे नालों में पानी भरने लगा है।

पानी का स्तर और बढ़ने पर इन मार्गों पर आवागमन पूरी तरह बाधित होने की आशंका है। इससे ग्रामीणों को बाजार, स्कूल, अस्पताल और अन्य जरूरी कामों के लिए आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

उधर, तटवर्ती गांवों को कटान से बचाने के लिए बाढ़ खंड और सिंचाई विभाग की ओर से विभिन्न उपाय किए गए हैं। कटानरोधी कार्य के तहत डैंपरिंग के साथ बोर्डर डालने के अलावा गैरेबियान, बंबू क्रेट और पोरक्यूपाइन लगाए गए हैं।

इनका उद्देश्य नदी की धारा के दबाव को कम कर तटों को कटने से बचाना है। सहबदिया गांव के सामने कटान रोकने के लिए करीब 1200 पोरक्यूपाइन लगाए गए थे, जिसमें से 900 से अधिक डूब गए। ग्रामीणों का कहना है कि जलस्तर बढ़ने के बाद इनमें से कई नदी में समा गए हैं या बह गए हैं। इससे कटानरोधी व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता वीरेंद्र सिंह ने बताया कि नदी में लगाए गए गैरेबियान, बंबू क्रेट और अन्य उपकरण बहते नहीं हैं, बल्कि वहीं लांच किए जाते हैं। लांच होने के बाद ये नदी की धारा के दबाव को कम करने और कटान रोकने में मदद करते हैं। विभाग की ओर से नदी के जलस्तर और तटों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

लाटघाट - सरयू नदी में बढ़ते जलप्रवाह का असर डिघिया और बदरहुआ नालों पर भी दिखाई देने लगा है। शनिवार को डिघिया नाले का जलस्तर 13 सेंटीमीटर बढ़कर 70.60 मीटर पहुंच गया, जो खतरे के निशान 70.40 मीटर से 20 सेंटीमीटर ऊपर है। वहीं, बदरहुआ नाले का जलस्तर 14 सेंटीमीटर बढ़कर 71.30 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 71.68 मीटर से 38 सेंटीमीटर नीचे है।

एक बार फिर शनिवार को सरयू नदी में 2,86 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

नदी का जलस्तर

गेज - खतरा बिंदु - जलस्तर
बदरहुआ नाला - 71.68 मीटर - 71.30 मीटर
डिघिया नाला - 70.40 मीटर - 70.60 मीटर
डिघिया में 13 और बदरहुआ पर 14 सेमी बढ़ा जलस्तर

सरयू का जलस्तर बढ़ने से 70 घरों पर मंडराया खतरा

सरयू का जलस्तर लगातार बढ़ने से विकास खंड के आराजी मलहपुरवा, आराजी गंगापुर और आराजी पुरैनिया गांवों के करीब 70 घरों पर कटान का खतरा मंडराने लगा है। नदी का पानी बढ़ने से ग्रामीण अपने घर और बची हुई खेती की जमीन को लेकर चिंतित हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। सरयू का जलस्तर बढ़ने से कटान रोकने के लिए लगाए गए पोरक्यूपाइन पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। नदी किनारे बनाए गए 10 कटर भी धीरे-धीरे पानी में समाहित होते जा रहे हैं।

इनमें जो पांच कटर अभी दिखाई दे रहे हैं, वे भी आधे से अधिक पानी में डूब चुके हैं। गांव के पश्चिमी हिस्से में हो रहे रिसाव ने भी ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि रिसाव जारी रहा तो बची हुई उपजाऊ जमीन को भी बचाना मुश्किल होगा।

ग्रामीण गुलाब ने बताया कि कटान रोकने के लिए लगाए गए अधिकांश कटर नदी में समाहित हो चुके हैं।

उफान पर यमुना, 24 घंटे में 2.62 फीट बढ़ा जलस्तर

आगरा, एजेंसी। पहाड़ों पर भारी बारिश और बैराजों से छोड़े गए पानी के कारण वाटर वर्क्स पर यमुना उफान पर आ गई। पिछले 24 घंटे में जलस्तर 2.62 फीट बढ़कर शनिवार शाम को 489.50 फीट पर पहुंच गया। गोकुल बैराज से शनिवार को 20,074 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जोकि रविवार दोपहर तक आगरा पहुंच जाएगा।

वाटर वर्क्स पर 495 फीट यमुना का लो फ्लड लेवल है, जबकि 508 फीट हाई फ्लड लेवल है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार तक आगरा में कुल 184 एमएम बारिश हो चुकी है। शुक्रवार को जलस्तर 486.88 फीट था, जो शनिवार शाम को 489.50 फीट पहुंच गया। नई दिल्ली स्थित ओखला बैराज से शनिवार को यमुना में 26,705 क्यूसेक, ताजेवाला बैराज से 15,448 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

उधर, चंबल नदी का पिनाहट में जलस्तर 112.10 फीट रहा। यहां 130 फीट पर बाढ़ आ जाती है। इसके अलावा भरतपुर स्थित अजान बांध में 6.30 फीट पानी है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष प्रभारी एवं एडीएम वित्त संदीप वर्मा ने बताया कि फिलहाल बाढ़ की आशंका नहीं है।

95 क्लबों के 600 पदाधिकारियों व सदस्यों को एक सदस्य जोड़ने का आह्वान, नया रिकॉर्ड

वाराणसी , एजेंसी। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ई का 41वां अधिष्ठापन समारोह नंदगांव रिसॉर्ट में उल्लास के माहौल में संपन्न हुआ। क्लब के नए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उदय चंदानी की अध्यक्षता में 95 क्लबों के छह सौ से अधिक पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। उन्हें शपथ दिलाई गई। इस दौरान दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल और महिलाओं को सिलाई मशीन निःशुल्क दी गई। साथ ही 107 एमजेएफ सदस्य बनाए गए, जो क्लब के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है।

मुख्य अतिथि बीएचयू के कुलपति अजीत कुमार चतुर्वेदी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। उमेश कक्कड़ को डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम और श्याम बाबू वर्मा को डिप्टी गवर्नर द्वितीय का पदभार सौंपा गया। कुलपति ने नए पदाधिकारियों को बधाई दी। कहा कि लायंस क्लब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेवा करता है। इसके सदस्य हमेशा सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

विनय मित्तल ने लायन सदस्यों का आह्वान किया कि कम से कम एक सदस्य जोड़ें और एक सेवा प्रकल्प संपादित करें। इस भावना को आत्मसात करें। उदय चंदानी ने बताया कि सदस्यों को स्थायी सेवा प्रकल्प के तहत दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूलों में सेवाएं शुरू की जाएंगी। शीघ्र ही प्रयागराज में एक वृद्धाश्रम खोला जाएगा।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय निदेशक एवं कंस्टीट्यूशनल एरिया लीडर लायन जितेंद्र सिंह चौहान ने उप मंडलाध्यक्ष प्रथम उमेश कक्कड़, उप मंडलाध्यक्ष द्वितीय श्याम बाबू वर्मा तथा कैबिनेट के पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर पदस्थापित किया। उन्होंने 46 सदस्यों को लायंस इंटरनेशनल फाउंडेशन को दान देने के लिए प्रेरित किया। दुबई से आए लायन राजेश अग्रवाल ने फाउंडेशन को विशेष सहयोग देने की घोषणा की। इंस्टॉलेशन अधिकारी वीके चौहान ने नवनियुक्त गवर्नर उदय चंदानी को क्लब की बागडोर सौंपते हुए सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। क्लब के पूर्व अंतरराष्ट्रीय निदेशक डॉ. जगदीश गुलाटी ने सदस्यों को सक्रियता से सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित किया। स्वागत आयोजक पूर्व डिस्ट्रिक्ट मंडलाध्यक्ष बलबीर सिंह बग्गा एवं अनिल तुलस्यान तथा संचालन आनंद श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर अनिल तुलस्यान, लालू मित्तल आदि मौजूद रहे।

तीन तलाक और हलाला के विरोध में गंगाजल लेकर निकलीं मुस्लिम महिलाएं, मुरादनगर में हुआ स्वागत

मुरादनगर (शिखर समाचार)। तीन तलाक और हलाला जैसी प्रथाओं के विरोध तथा अपने बच्चों की वापसी की मनोकामना को लेकर तीन मुस्लिम महिलाएं हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा पर निकलीं। बुर्के में कांवड़ लेकर मुरादनगर पहुंचीं अनीशा बानो और तमन्ना मलिक का हिंदू युवा वाहिनी के आयुष त्यागी ने स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने मुस्लिम महिलाओं पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। महिलाओं के कांवड़ लेकर पहुंचने को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ भी जुटी।

अनीशा बानो ने बताया कि वह स्वयं तीन तलाक की पीड़ा झेल रही हैं। उनके अनुसार तीन तलाक और हलाला जैसी प्रथाएं मुस्लिम महिलाओं के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं हैं। उन्होंने बताया कि तीन तलाक के कारण वह अपने पति से अलग हो गईं और उनके बेटा-बेटी राजस्थान में पति के पास हैं। बच्चों से अलग होने का दर्द उनके लिए बेहद पीड़ादायक है।

उन्होंने बताया कि तीन तलाक और हलाला जैसी प्रथाओं के विरोध के साथ अपने दोनों बच्चों को वापस पाने की मनोकामना को लेकर उन्होंने कांवड़ यात्रा करने का संकल्प लिया था। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए वह हरिद्वार पहुंचीं और वहां से गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा शुरू की। यात्रा के दौरान

वह अन्य शिवभक्त कांवड़ियों के साथ आगे बढ़ रही हैं।

अनीशा बानो ने बताया कि उनका संकल्प डासना स्थित शिव मंदिर पहुंचकर गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना है। उन्होंने कहा कि वह अपने बच्चों की सकुशल वापसी और जीवन में सुख-शांति की कामना कर रही हैं। मुरादनगर में स्थानीय लोगों द्वारा किए गए स्वागत से वह भावुक नजर आईं। इस दौरान क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश भी देखने को मिला।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर घायल, गिरफ्तार

कांधला/शामली (शिखर समाचार) कांधला थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये के इनामी हिस्ट्रीशीटर एवं गैंगस्टर अभियुक्त इनाम उर्फ धुरी को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी कैराना थाने में दर्ज जानलेवा हमले के मुकदमे में वांछित चल रहा था। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार रविवार को कांधला थाना क्षेत्र में पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को पुलिसकर्मियों ने रुकने का इशारा किया। आरोप है कि पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल सवार ने फायरिंग शुरू कर दी और मौके से भागने का प्रयास किया। पुलिस

टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इनाम उर्फ धुरी पुत्र अफजल उर्फ अफजाल, निवासी मोहल्ला आर्यपुरी, कस्बा एवं थाना कैराना, जनपद शामली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी कैराना थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बिना नंबर की एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, .32 बोर की पिस्टल, एक खोखा कारतूस, चार जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस ने बरामदगी और मुठभेड़ के संबंध में संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है।

अपर पुलिस अधीक्षक शामली सुमित शुक्ला ने बताया कि जिले में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने 50 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कांवड़ यात्रा को लेकर खतौली पर आला अधिकारियों की नजर, एसएसपी ने किया मार्ग का निरीक्षण

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कांवड़ यात्रा के दौरान खतौली क्षेत्र में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस के आला अधिकारियों की लगातार नजर बनी हुई है। शनिवार देर शाम उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने खतौली पहुंचकर कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया और शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने भी पुलिस बल के साथ खतौली क्षेत्र में पहुंचकर कांवड़ यात्रा मार्ग और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना खतौली क्षेत्र के भैंसी कट सहित कांवड़ यात्रा मार्ग के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए कांवड़ियों की सुरक्षा, यातायात संचालन, भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग और संवेदनशील स्थानों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी करें तथा शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न होने दें।

अधिकारियों ने कांवड़ मार्ग पर लगातार गश्त और निगरानी रखने के साथ भीड़ तथा यातायात के दबाव के अनुसार पुलिस बल की तैनाती करने के निर्देश दिए। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने

के लिए पुलिस बल को सतर्क रहने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा गया। सोमवार को भी पुलिस बल भैंसी कट और बाईपास क्षेत्र में तैनात रहा। इस दौरान मानकों के विपरीत लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों वाले कांवड़ वाहनों की जांच की गई और अधिकांश कांवड़ वाहनों को बाईपास से रवाना किया गया।

शनिवार देर शाम उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने खतौली पहुंचकर शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया था। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने भी कांवड़ियों का अभिनंदन किया। उपमहानिरीक्षक ने शिवालयों में साफ सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर पैदल चलकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक अमृत जैन, क्षेत्राधिकारी रुपाली रॉय, प्रभारी निरीक्षक दिनेशचंद्र बघेल सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

10 अगस्त तक छात्रवृत्ति पोर्टल पर विद्यार्थियों का डाटा अनिवार्य रूप से अपलोड करें विद्यालय

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिले में पूर्वदशम कक्षा 9-10 और दशमोत्तर कक्षा 11-12 छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक ने संबंधित विद्यालयों को 10 अगस्त 2026 तक पात्र विद्यार्थियों का आवश्यक डाटा छात्रवृत्ति पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड और जमा करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित समयसीमा में डाटा उपलब्ध नहीं कराने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापकों की जवाबदेही तय की जाएगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक के अनुसार जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा जिले में संचालित विद्यालयों के मास्टर डाटा का परीक्षण किया गया। जांच में सामने आया कि पोर्टल पर कई ऐसे विद्यालय प्रदर्शित हो रहे हैं, जो वर्तमान में बंद हो चुके हैं या एक ही विद्यालय के एक से अधिक दोहराव वाले प्रवेश बने हुए हैं। पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत जिले के 175 विद्यालय और दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 133 विद्यालय मास्टर डाटा में दर्ज हैं, जबकि इनमें लगभग 60 और 55 विद्यालय ही वर्तमान में सक्रिय पाए गए हैं। शेष विद्यालयों के निष्क्रिय अथवा दोहराव वाले होने का सत्यापन कर उन्हें मास्टर डाटा से हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों के संज्ञान में यह भी आया है कि कुछ विद्यालयों ने छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए पात्र छात्र-छात्राओं का आवश्यक डाटा अभी तक पोर्टल पर जमा नहीं किया है। अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि समय पर डाटा उपलब्ध नहीं होने से पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिलने में विलंब हो सकता है और जिले की योजनागत प्रगति भी प्रभावित होती है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने विद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि संबंधित छात्रवृत्ति डाटा का तत्काल सत्यापन कराकर निष्क्रिय और दोहराव वाले डाटा की जानकारी 10 अगस्त को जिला समाज कल्याण कार्यालय में उपलब्ध कराई जाए। साथ ही पात्र विद्यार्थियों का डाटा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पोर्टल पर जमा करना सुनिश्चित किया जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी विद्यालय की लापरवाही के कारण पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित नहीं होने दिया जाएगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कांवड़ मार्ग का निरीक्षण करते हुए पुलिस आयुक्त पहुंचे श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने रविवार को श्रीदूधेश्वरनाथ मठ मंदिर एवं कांवड़ यात्रा मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा व यातायात व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सुविधा का जायजा लेते हुए मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त के भ्रमण के दौरान कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, श्रद्धालुओं की आवाजाही तथा पुलिस बल की तैनाती का निरीक्षण किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो और यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद बनी रहे। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। पुलिस आयुक्त द्वारा स्वयं श्रद्धालुओं पर पुष्प बरसाए जाने से कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच पुलिस अधिकारियों ने कांवड़ियों का स्वागत किया और उनकी सुरक्षित यात्रा की कामना की। पुलिस आयुक्त ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सद्भाव का भी प्रतीक है। पुलिस प्रशासन का प्रयास है कि गाजियाबाद से होकर गुजरने वाले प्रत्येक कांवड़िया को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण मिले। श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ लगातार निगरानी की जा रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि कांवड़ियों की यात्रा के साथ आमजन को भी आवागमन में न्यूनतम परेशानी हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पूरी संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएं। कांवड़ियों, श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों के साथ शालीन एवं सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त के मंदिर एवं कांवड़ मार्ग भ्रमण और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा ने पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ सेवा एवं सम्मान की भावना को भी प्रदर्शित किया। पुलिस की ओर से कांवड़ियों का स्वागत किए जाने से यात्रा मार्ग पर सकारात्मक माहौल बना रहा। गाजियाबाद पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, सुविधा और श्रद्धालुओं का सम्मान–तीनों सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। पुलिस अधिकारियों ने भी कांवड़ियों से यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का पालन करने, यातायात व्यवस्था में सहयोग करने तथा प्रशासन ने जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

विद्युत लाइन की चपेट में आकर किसान की मौत, बढ़ापुर क्षेत्र का मामला

बिजनौर (शिखर समाचार) बढ़ापुर थाना क्षेत्र के गांव रहमापुर में खेत पर गए किसान की विद्युत लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। रविवार सुबह किसान का शव खेत में पड़ा मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। गांव रहमापुर निवासी किसान उमेश कुमार किसी काम से अपने खेत पर गए थे। देर रात तक उनके घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिवार के लोगों ने उनकी आसपास के क्षेत्रों और खेतों में काफी तलाश की, लेकिन देर रात तक उनका कोई पता नहीं चल सका। परिजन सुबह भी उनकी तलाश में जुटे रहे। रविवार सुबह परिजनों को जानकारी मिली कि उमेश कुमार खेत में पड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। वहां उमेश कुमार मृत अवस्था में मिले। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह खेत में विद्युत लाइन की चपेट में आ गए थे, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। किसान की अचानक हुई मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस द्वारा घटना के संबंध में जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत विकास परिषद युवा शक्ति का तीज महोत्सव धूमधाम से संपन्न, 59 परिवारों ने लिया हिस्सा

हापुड़ (शिखर समाचार)। भारत विकास परिषद युवा शक्ति की ओर से आयोजित तीज महोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में परिवार, संस्कार, सम्मान और आपसी सौहार्द का सुंदर संगम देखने को मिला। समारोह की सबसे बड़ी विशेषता 59 परिवारों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। परिवारों ने अपने परिजनों के साथ कार्यक्रम में शामिल होकर तीज महोत्सव की खुशियों को साझा किया। इस दौरान महिलाओं को विशेष सम्मान दिया गया और विभिन्न उपहार भी वितरित किए गए। सभी महिलाओं को हरानी' के रूप में सम्मानित किया गया, जिसकी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेखा, वेदांशी, मल्लिका, सिम्मी, हिमानी, पारुल, यशिका, आयुषी और नेहा सहित पूरी महिला टीम तथा आयोजन से जुड़े सभी संयोजकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वेदांशी और मल्लिका ने मंच संचालन किया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। शुभकामना प्रेषण मंत्री शुभम गुप्ता ने विवाह वर्षगांठ मनाने वाले दंपतियों को उपहार देकर सम्मानित किया। समारोह में आयोजन स्थल और भोजन व्यवस्था की भी प्रशंसा की गई। इसके लिए ग्रैंड ऑर्चिड के सचिन सिंघल, मधुर कंसल तथा उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष विवेक गर्ग, सचिव सचिन गुप्ता और कोषाध्यक्ष प्रिंस गोयल ने सभी सदस्यों का सहभागिता के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन परिवारों को एक-दूसरे से जोड़ने के साथ भारतीय संस्कार, परंपरा और आपसी अपनत्व को मजबूत करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

पतंग उड़ाते समय छत से गिरा 11 वर्षीय मासूम, उपचार के दौरान मौत

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के चांद खां सराय मोहल्ले में शनिवार देर शाम घर की छत पर पतंग उड़ा रहे 11 वर्षीय मासूम का अचानक पैर फिसल गया और वह छत से नीचे जा गिरा। हादसे में गंभीर रूप से घायल बच्चे की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार तहसील चौपले के निकट चांद खां सराय निवासी शेरू का 11 वर्षीय पुत्र अरमान शनिवार देर शाम घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने के कारण वह छत से नीचे जा गिरा। हादसे में अरमान गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने बच्चे को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। वहीं मोहल्ले के लोग भी गमगीन हो गए और बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। लोगों ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। रविवार सुबह गमगीन माहौल में अरमान को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। अंतिम संस्कार में परिवार, रिश्तेदारों और मोहल्ले के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। हादसे के बाद क्षेत्र में बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी लोगों में चिंता देखने को मिली।

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर हादसे में कांवड़िये की मौत, कई दुर्घटनाओं में नौ घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर शनिवार रात सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार एक कांवड़िये की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा नगर के दिल्ली मेरठ मार्ग पर अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में आठ अन्य कांवड़िये घायल हो गए। हादसों के बाद पुलिस और राजमार्ग प्राधिकरण की टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार नई दिल्ली के शिवपुरी निवासी चंदन शर्मा अपने दोस्त करण के साथ स्कूटी से हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहे थे। दोनों भोजपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर सैदपुर गांव के पास पहुंचे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर भोजपुर पुलिस और राजमार्ग प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को मेरठ स्थित सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने चंदन शर्मा को मृत घोषित कर दिया, जबकि करण का उपचार जारी है। इसके अलावा गाजियाबाद निवासी रवि कुमार और सोनू बाइक से हरिद्वार जा रहे थे। सीकरी कला गांव के पास उनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। वहीं दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-9 निवासी गौरव, प्रियंक, मयंक और सुमित अलग-अलग बाइकों से हरिद्वार जा रहे थे। गोविंदपुरी के पास उनकी बाइकों की अन्य वाहन से टक्कर हो गई, जिसमें चारों घायल हो गए। नोएडा के सूरजपुर निवासी वरुण और दिल्ली के बुराड़ी निवासी एक अन्य कांवड़िये के भी दिल्ली मेरठ मार्ग पर किसी वाहन की चपेट में आने की जानकारी है। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद कई घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस दुर्घटनाओं की जांच कर अज्ञात वाहनों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

हापुड़ की स्वाति गर्ग को दिल्ली गौरव पुरस्कार 2026, बालिका शिक्षा में योगदान के लिए सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। बालिका शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से सक्रिय शिक्षा भारती की अध्यक्ष तथा नगर स्थित श्रीमती ब्रह्मा देवी बालिका विद्यालय इंटर कॉलेज की सचिव स्वाति गर्ग को दिल्ली गौरव पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। संस्कृति युवा संस्था की ओर से प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने स्वाति गर्ग को पुरस्कार प्रदान कर बालिका शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। समारोह में राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक भी उपस्थित रहे। सम्मान मिलने के बाद स्वाति गर्ग ने कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक और गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने पुरस्कार को शिक्षा भारती परिवार, शिक्षकों, छात्राओं और संस्था से जुड़े सहयोगियों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें बालिकाओं की शिक्षा के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा।

स्वाति गर्ग ने बताया कि शिक्षा भारती करीब 30 वर्षों से बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। संस्था की ओर से जनजातीय छात्राओं के लिए छात्रावास सुविधा, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। संस्था का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा और कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनाना है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को बेहतर शिक्षा के अवसर मिलने से वे अपने परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने संस्कृति युवा संस्था का आभार जताते हुए कहा कि समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वालों को मिलने वाले ऐसे सम्मान नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करते हैं।

रालोद ने गांव वाजीदपुर में लगाई चौपाल, विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

बिजनौर (शिखर समाचार) राष्ट्रीय लोकदल ने विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर बिजनौर विधानसभा क्षेत्र के गांव वाजीदपुर में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने ग्रामीणों से संवाद कर राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों और आगामी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। इस दौरान पार्टी नेताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर भी जोर दिया।

भारत संचार निगम लिमिटेड की नामित सदस्य पूनम चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल भाईचारे, किसान मजदूर हितों और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी की प्राथमिकता गांव, किसान और मजदूर से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता मजबूत करना भी संगठन के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

विधानसभा अध्यक्ष इन्द्रमणि चौधरी के आयोजन में हुई चौपाल में ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की। पदाधिकारियों ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए गांव गांव संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यकताओं से पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में रणधीर सिंह, हेमेंद्र सिंह, चेयरमैन छोटन सिंह, विकास छिल्लर, जसवंत सिंह, जगरोशन सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, संतोष सिंह, रूपचंद, तेजपाल सिंह, सुखबीर सिंह, विनीत कुमार, हरपाल सिंह, ब्रह्मपाल, नथन सिंह, रामपाल सिंह, नेपाल सिंह, नितेंद्र सिंह, सहदेव सिंह, वीरपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, मनोज कुमार, हिमांशु चौधरी, दीपांशु राणा, रिंकू, अमर सिंह, मिथुन सिंह, लवकुश सिंह, हिमांशु कुमार, बेगराज सिंह, बाबूराम, अमित कुमार और विज्ञान सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सिम्भावली पुलिस ने विद्युत तार चोरी करने वाले गिरोह के पांच आरोपी दबोचे, ढाई कुंतल तार बरामद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिम्भावली पुलिस ने विद्युत तार चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब ढाई कुंतल विद्युत तार, 40 हजार रुपये नकद, तार काटने के उपकरण, एक अवैध तमंचा और चार कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त दो वाहन भी पुलिस ने कब्जे में लिए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोनीश पुत्र समरदीन, अरबाज पुत्र शराफत अली और नाजिम पुत्र साबिर निवासी पपसरा खादर, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा तथा नौशाद पुत्र निसार निवासी उमरीपीर और जमशेद पुत्र नकीसुद्दीन निवासी ग्राम मसीत, थाना हीमपुर दीपा, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर उनके गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी की घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटाई है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने गढ़मुक्तेश्वर, बहादुरगढ़, गजरौला, मेरठ और संभल सहित विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत तार चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपियों के विरुद्ध गाजियाबाद, संभल, बिजनौर और हापुड़ जनपदों में विद्युत तार चोरी तथा शस्त्र अधिनियम सहित सात से अधिक मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस का कहना है कि गिरोह विद्युत तारों को काटकर चोरी करता था और बाद में उन्हें बेचकर रकम हासिल करता था। पुलिस बरामद तार और अन्य सामान के संबंध में भी जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस टीम अब गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और चोरी के माल की खरीद-फरोख्त में शामिल लोगों की जानकारी जुटाने में लगी है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर शिवभक्त कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। श्रावण कांवड़ यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बाबूगढ़, छपकौली मंदिर और ब्रजघाट क्षेत्र में शिवभक्त कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की। आसमान से फूलों की वर्षा होते देख कांवड़ियों में उत्साह का माहौल बन गया और पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, पेयजल, विश्राम स्थलों और साफ सफाई की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रशासन ने शिवभक्तों की सेवा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है।

श्रावण मास में तीर्थनगरी गढ़मुक्तेश्वर पूरी तरह शिवभक्ति में रंगी नजर आ रही है। क्षेत्र में जगह जगह कांवड़ सेवा शिविर लगाए गए हैं। गढ़मुक्तेश्वर के प्रसिद्ध नक्का कुआं महादेव मंदिर, गांव कल्याणपुर स्थित कल्याणेश्वर मंदिर और गांव दतियाना स्थित भूतेश्वर मंदिर उर्फ लाल मंदिर में कांवड़ियों की सेवा के लिए समितियों और सेवादारों ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं। मंदिर परिसरों में साफ-सफाई, पेयजल और ठहरने की व्यवस्था के साथ शिवभक्तों के लिए अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कांवड़ मार्गों पर लगाए गए शिविरों में भंडारे और विश्राम की व्यवस्था है। शिविरों में भोले के भजन लगातार गूंज रहे हैं। इस वर्ष गंगाजल लेने के लिए लाखों कांवड़िये गढ़मुक्तेश्वर पहुंच चुके हैं और जल लेकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। वहीं हरिद्वार से बड़ी संख्या में लौट रहे कांवड़िये भी गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र से होकर अपने-अपने स्थानों की ओर जा रहे हैं। मेरठ मंडल, जिला हापुड़ और तहसील स्तर के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं।

कांवड़ियों की बढ़ती संख्या से शिवमय हुआ दिल्ली मेरठ मार्ग, जगह-जगह सेवा शिविरों में जुटे सेवादार

मुरादनगर (शिखर समाचार)। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे शिवभक्त कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ने के साथ दिल्ली मेरठ हाईवे और गंगनहर कांवड़ मार्ग पूरी तरह शिवभक्ति के रंग में रंग गया है। रंग-बिरंगी कांवड़ों और आकर्षक झांकियों के साथ कांवड़िये बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। डाक कांवड़ की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मार्ग पर कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ के कारण वातावरण पूरी तरह भक्तिमय नजर आ रहा है। कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली मेरठ मार्ग पर देशभक्ति गीतों और भक्ति भजनों की गूंज सुनाई दे रही है। आकर्षक झांकियों से सजी कांवड़ों को देखने के लिए स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की भीड़ भी मार्ग के आसपास जुट रही है। इस बार महिला कांवड़ियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है। महिला शिवभक्त भी उत्साह के साथ गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही हैं। मेरठ दिल्ली हाईवे स्थित गंगनहर पर नगर पालिका परिषद की ओर से कांवड़ सेवा शिविर लगाया गया है। शिविर में कांवड़ियों के लिए भोजन, विश्राम और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। अधिशासी अधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी शिविर की व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रख रहे हैं। वहीं बिजलीघर के पास मित्र मंडल कांवड़ सेवा समिति की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। बस स्टैंड के पास भाजपा नेता संजीव त्यागी के सहयोग से शिव कांवड़ सेवा समिति, रेलवे रोड के समीप मानवाधिकार समिति और राधेश्याम विहार के पास अहिल्या बाई होल्कर शिव कांवड़ सेवा समिति ने सेवा शिविर लगाए हैं। इन शिविरों में कांवड़ियों को भोजन और विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उनका स्वागत एवं सम्मान भी किया जा रहा है। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उच्चाधिकारी लगातार अपने अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। अधिकारी कांवड़ियों से बातचीत कर उनकी सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी भी ले रहे हैं।

गंगनहर में डूब रहे कांवड़िये को पीएसी की बाढ़ बचाव टीम ने बचाया

मुरादनगर (शिखर समाचार)। गंगनहर घाट और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर रहीं उपजिलाधिकारी कोमल पंवार ने रेस्क्यू बोट से गश्त के दौरान एक कांवड़िये को गंगनहर में डूबते हुए देखा। उन्होंने तत्काल रेस्क्यू बोट को कांवड़िये की ओर ले जाने के निर्देश दिए। सूचना मिलते ही 41वीं पीएसी बटालियन की बाढ़ बचाव टीम सक्रिय हो गई और मौके पर पहुंचकर डूब रहे कांवड़िये को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते किए गए बचाव अभियान से संभावित बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार कांवड़ यात्रा के दौरान गंगनहर में स्नान और जल लेने के लिए बड़ी संख्या में शिवभक्त पहुंच रहे हैं। इसी को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से गंगनहर घाट और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों और बचाव दलों की ओर से लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके।

कांवड़िये को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। इस दौरान अधिशासी अधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने गंगनहर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और बचाव दल को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

मौके पर मौजूद लोगों ने पीएसी जवानों की तत्परता और साहस की सराहना की। लोगों का कहना था कि बचाव दल की सक्रियता और अधिकारियों की सजगता के कारण कांवड़िये की जान बचाई जा सकी। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं से गंगनहर में निर्धारित स्थानों पर ही स्नान करने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की जा रही है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट, फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

होर्मुज की बंद राह और दुनिया की बढ़ती बेचैनी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव अब केवल दो देशों के बीच शक्ति प्रदर्शन का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री व्यापार के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। पिछले कुछ दिनों में यह उम्मीद जरूर जगी थी कि बातचीत के जरिए इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को सामान्य बनाया जा सकता है, लेकिन ईरान की ओर से रखी गई नई और कड़ी शर्तों ने समाधान की राह फिर कठिन कर दी है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने संकेत दिया है कि वाशिंगटन बातचीत और दबाव की रणनीति दोनों के बीच आगे बढ़ रहा है तथा सुरक्षित नौवहन का रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा है। दूसरी ओर तेहरान का कहना है कि अमेरिका को पहले अपना रवैया बदलना होगा, तभी होर्मुज को पूरी तरह खोलने पर विचार किया जा सकता है।

ईरान की नई मांगों ने इस विवाद को और गंभीर बना दिया है। ईरानी सुरक्षा नेतृत्व की ओर से अमेरिका से सैन्य कार्रवाई समाप्त करने, क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य उपस्थिति घटाने, प्रतिबंध हटाने, युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई करने और विदेशों में जमा ईरानी संपत्तियों को मुक्त करने जैसी मांगें सामने आई हैं। इसके अलावा ईरान अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और धमकियों को भी समाप्त करने की मांग कर रहा है। इन शर्तों का दायरा इतना व्यापक है कि इन्हें केवल होर्मुज खोलने के बदले की सामान्य बातचीत मानना कठिन है। यह साफ दिखाई देता है कि तेहरान इस समुद्री मार्ग को अपने व्यापक रणनीतिक दबाव के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का महत्व समझना जरूरी है। फारस की खाड़ी को अरब सागर और आगे हिंद महासागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग दुनिया के ऊर्जा व्यापार की जीवनरेखा माना जाता है। यहां पैदा होने वाला कोई भी बड़ा व्यवधान केवल खाड़ी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। तेल और गैस की कीमतों में तेजी, जहाजों के बीमा खर्च में वृद्धि, माल ढुलाई की लागत बढ़ना और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव जैसी समस्याएं तेजी से सामने आ सकती हैं। यूरोपीय केंद्रीय बैंक के विश्लेषण में भी होर्मुज के धीरे धीरे खुलने की संभावना के साथ तेल कीमतों पर बने रहने वाले दबाव की ओर संकेत किया गया था।

यही कारण है कि अमेरिका भी इस संकट का सैन्य समाधान अकेले खोजने के बजाय बातचीत की गुंजाइश बनाए रखना चाहता है। जेडी वेंस का यह कहना महत्वपूर्ण है कि अमेरिका कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य सभी विकल्पों के बीच आगे बढ़ रहा है और बातचीत में कुछ प्रगति हुई है। इसका अर्थ यह नहीं है कि समझौता निकट ही है, बल्कि यह संकेत जरूर है कि वाशिंगटन समझता है कि होर्मुज का लंबा बंद रहना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भी समझौते की संभावना के संकेत दिए गए हैं। लेकिन बातचीत जितनी आगे बढ़ती दिखाई देती है, उतनी ही नई शर्तें सामने आने से दोनों पक्षों के बीच अविश्वास भी स्पष्ट होता जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या होर्मुज को खोलने के लिए दोनों पक्ष किसी अंतरिम समझौते पर पहुंच सकते हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

सीमित साधनों में तनाव रहित ज़िंदगी बिता पाना, सबसे बड़ी चुनौती भी है और उपलब्धि भी।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

कांग्रेस की नई टीम में फिर बढ़ा कुनबा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

बार बार प्रचारित यह किया जा रहा था कि इस बार कांग्रेस हाईकमान उत्तराखंड में सीमित पदाधिकारियों को लेकर अपनी टीम का गठन करेगी।कांग्रेस प्रभारी शैलजा ने भी पूछने पर यही संकेत दिए थे, लेकिन अब जो कार्यकारिणी सामने आई है ,उसने संख्या बल के पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ दिए है।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नई प्रदेश कार्यकारिणी में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों के नेताओं को तो जिम्मेदारी दी गई है,उनकी संख्या इतनी बढ़ा दी कि पद का ही महत्व कम हो गया है।प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में गोदावरी थपलियाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा 24 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष, 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव और 107 नेताओं को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। नई कार्यकारिणी में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ नेताओं के साथ कुछ युवा चेहरों को भी जगह दी गई है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि नई टीम आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों को मजबूती से आगे बढ़ाएगी।वही भाजपा ने इसे खोदा पहाड़ निकली चुहिया बताया।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए पांच महत्वपूर्ण समितियों का भी गठन कर दिया है। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति में कार्यकारिणी समिति, घोषणापत्र समिति, अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, एसआईआर समिति और चार्जशीट समिति के गठन की घोषणा की गई है। यह सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू हों गई है।

प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी समिति में वरिष्ठ नेताओं गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य, हरीश रावत, प्रीतम सिंह, गुरदीप सिंह सप्पल, काजी निजामुद्दीन, करन माहरा, डॉ. हरक सिंह रावत, भुवन चंद्र कापड़ी समेत 41 नेताओं को शामिल किया गया है। घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष विधायक भुवन कापड़ी को बनाया गया है।समिति में डॉ.प्रेम बहुखंडी संयोजक बनाये गए है, जबकि गुरदीप सिंह सप्पल, सूर्यकांत धस्माना और सुजाता पॉल सदस्य बनाए गए हैं। अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की कमान विक्रम सिंह नेगी को सौंपी गई है। वहीं एसआईआर समिति के अध्यक्ष मनोज रावत होंगे। चार्जशीट समिति की अध्यक्षता पूर्व पीसीसी चीफ करन माहरा करेंगे, जबकि इस समिति में मनोज रावत, डॉ. प्रेम बहुखंडी और डॉ. प्रतिमा सिंह को सदस्य बनाया गया है।इतने बड़े स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति और टिकट बंटवारे व गुटबाजी को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष और सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है।

एसआईआर कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मनोज रावत के साथ ही कमेटी में अमरेंद्र बिष्ट, एडवोकेट संदीप चमोली को सदस्य बनाया गया है। पीसीसी की नई कार्यकारिणी में जिन 24 नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया गया है।उनमें हेमश खर्कवाल, विजय सारस्वत, सूर्यकांत धस्माना, धीरेंद्र प्रताप, राजकुमार, मनोज रावत, सतीश नैनवाल, लालचंद शर्मा, सहरियार खान, सीपी सिंह, संजय पालीवाल, राजेंद्र पाल सिंह, सुखविंदर कौर, राजीव महर्षि, अनुपम शर्मा, हेमंत बगड़वाल, मधु सांगुरी, डॉ. प्रेम बहुखंडी और दर्शन लाल समेत अन्य नेता शामिल है। इसके साथ ही नई कार्यकारिणी में 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनमें राजेंद्र भंडारी, नवीन जोशी, अभिषेक सिंह, विजय गुनसोला, तेलू राम, पुष्कर जैन, राकेश लाल शाह, दीप शर्मा, मकबूल कुरैशी, अमरजीत सिंह, याकूब सिद्दीकी, राजेंद्र शाह, जसवंत सिंह चौहान, सुमित्तर भुल्लर, अनीता शर्मा, जयेंद्र रमोला, संजय किरोला और राजेंद्र तंगरिया समेत अन्य नेता शामिल हैं।प्रदेश सचिव पद पर तो 107 नेताओं को विराजमान किया गया है,जिनके प्रदेश कार्यालय में बैठने की व्यवस्था करना भी टेढ़ी खीर होगा।सवाल यह भी है कि पदाधिकारी बने ये नेता क्या वास्तव में दम तोड़ चुकी कांग्रेस में प्राणवायु का संचार कर पाएंगे या फिर गाड़ियों पर पदों की पट्टी लगाकर सिर्फ रोब गालिब करेंगे।

(लेखक राजनीतिक समीक्षक व वरिष्ठ पत्रकार है)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जैव ईंधन : स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की नई राह

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व तथा स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस जैव ईंधन के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रयासों को गति देने का संदेश देता है। जैव ईंधन ऐसे ईंधन हैं, जो पौधों, कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और अन्य जैविक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं। एथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस और बायो-सीएनजी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनका महत्व इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया लंबे समय से पेट्रोलियम, कोयला और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रही है, जिनके अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ी हैं।

विश्व जैव ईंधन और इसका इतिहास:-

विश्व जैव ईंधन दिवस का संबंध जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल से भी जोड़ा जाता है। वर्ष 1893 में उन्होंने वनस्पति तेल, विशेष रूप से मूंगफली के तेल से इंजन चलाने का प्रयोग किया था। उनके इस प्रयोग ने यह संभावना सामने रखी कि वनस्पति स्रोतों से प्राप्त तेल भविष्य में पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 अगस्त 2015 से इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। 10 अगस्त 2015 को भारत में बायोडीजल के खुदरा मिश्रण की शुरूआत भी की गई थी। इसलिए यह दिवस केवल किसी ऐतिहासिक प्रयोग को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, पर्यावरण संरक्षण, कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग, कचरा प्रबंधन और रोजगार सृजन की दिशा में जागरूकता पैदा करने का अवसर भी है।

जैव-ईंधन और एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम:-

भारत में जैव ईंधन के क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त कृषि उत्पादों तथा जैविक स्रोतों से एथेनॉल तैयार किया जाता है और इसे पेट्रोल में मिलाने से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत औसत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल किया है। सरकार ने पहले इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक आगे कर दिया गया। वास्तव में, यह उपलब्धि भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों, डिस्टिलरी उद्योग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है।

जैव-ईंधन और संभावनाएं:-

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जैव ईंधन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। हमारे देश में कृषि अवशेष, धान की पराली, गन्ने के अवशेष, मक्का, गोबर, खाद्य प्रसंस्करण से निकलने वाला जैविक कचरा और अन्य बायोमास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इन पदार्थों को कचरा समझकर जलाने या फेंकने के बजाय वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग किया जाए, तो इससे कचरा भी कम होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और देश का घरेलू ऊर्जा स्रोत मजबूत होगा। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त जैविक स्रोतों से एथेनॉल, जबकि गोबर तथा अन्य जैविक कचरे से बायोगैस और बायो-सीएनजी तैयार की जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े उद्योगों और जैव ईंधन संयंत्रों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। साथ ही कृषि अवशेषों के उचित उपयोग से पराली जलाने जैसी समस्या को कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इस दृष्टि से जैव ईंधन कृषि, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के बीच एक मजबूत सेतु बन सकता है। किसानों के लिए यह केवल फसल पैदा करने तक सीमित आय का माध्यम नहीं, बल्कि कृषि अवशेषों से अतिरिक्त आर्थिक मूल्य प्राप्त करने का अवसर भी बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण में जैव-ईंधन की भूमिका:-

जैव ईंधन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। टिकाऊ तरीके से उत्पादित जैव ईंधन जीवाश्म ईंधनों की तुलना में जीवन-चक्र के आधार पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में योगदान दे सकता है। साथ ही कृषि और जैविक कचरे का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में होने से खुले में कचरा तथा कृषि अवशेष जलाने की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, जैव ईंधन को हर परिस्थिति में पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल मानना उचित नहीं होगा। यदि जैव ईंधन उत्पादन के लिए खाद्य फसलों, भूमि और जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जाए, तो इससे खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग और जैव विविधता से जुड़ी नई चुनौतियाँ पैदा हो सकती हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग, जैव विविधता और जीवन-चक्र उत्सर्जन को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ तरीके से जैव ईंधन का उत्पादन और उपयोग करना आवश्यक है।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम से पूरा करता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर उपलब्ध कृषि अवशेषों और अन्य जैविक संसाधनों से ऊर्जा तैयार करना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। जैव ईंधन के बढ़ते उपयोग से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के माध्यम से कच्चे तेल के आयात में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी जैसे लाभ भी सामने आए हैं। इस प्रकार जैव ईंधन केवल ऊर्जा का वैकल्पिक स्रोत नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और पर्यावरणीय प्राथमिकताओं से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है।

निष्कर्ष:-

अंत में यह कहना उचित होगा कि जैव ईंधन केवल पेट्रोल और डीजल का विकल्प नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, किसान कल्याण, कचरा प्रबंधन, रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने वाला महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए इसकी संभावनाएँ और भी व्यापक हैं। आवश्यकता इस बात की है कि जैव ईंधन के उत्पादन में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और टिकाऊ संसाधन प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए तथा कृषि अवशेषों और जैविक कचरे का अधिक से अधिक उपयोग ऊर्जा उत्पादन में किया जाए। साथ ही खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों और पर्यावरणीय संतुलन का भी ध्यान रखा जाए। इसलिए जैव ईंधन केवल वैकल्पिक ईंधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे के बीच लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

विनोद सिंह 'तकियावाला

वर्तमान मानसून सत्र के शेष दिनों को इसलिए टकराव के बजाय संवाद का अवसर बनाया जाना चाहिए। सरकार को अपनी विधायी प्राथमिकताओं पर विपक्ष को विश्वास में लेना चाहिए। विपक्ष को भी अपनी राजनीतिक असहमति को संसदीय बहस में बदलना चाहिए। सदन की गरिमा केवल आसन पर बैठे सभापति या अध्यक्ष से नहीं बनती। वह प्रत्येक सांसद के आचरण से बनती है।

सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है।

भारतीय लोकतंत्र में संसद केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं है। संसद वह सर्वोच्च मंच है जहाँ देश की जनता की आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ,असहमति और समस्याएँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण पक्ष हैं। दोनों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है। वर्तमान मानसून सत्र की तस्वीर इस लोकतांत्रिक भावना के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। कई महत्वपूर्ण मुद्दे सदन की कार्यवाही में व्यवधान के कारण अपेक्षित गंभीर चर्चा से दूर रह गए हैं। सत्र के कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में यह सत्र संसदीय इतिहास में विधायी कार्यों के साथ हंगामे और गतिरोध के लिए भी याद किया जा सकता है। संसद में संख्या बल की अपनी वास्तविकता है। सरकार के पास बहुमत है तो उसे कानून बनाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। विपक्ष के पास संख्या कम है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी आवाज का महत्व कम हो गया। लोकतंत्र में बहुमत सरकार बनाता है। विपक्ष सरकार को आईना दिखाता है। दोनों की भूमिकाएँ अलग हैं। दोनों की जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसी संसदीय वातावरण में 2029 के आम चुनाव से पहले परिसीमन का प्रश्न देश की राजनीति के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह केवल लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने या घटाने का विषय नहीं है। इसके साथ देश के संघीय ढाँचे, राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व,जनसंख्या नियंत्रण और महिला आरक्षण जैसे कई महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़े हुए हैं।

इस वर्ष केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 करने का प्रस्ताव रखा था। इसमें राज्यों के लिए अधिकतम 815 और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 35 सीटों का प्रावधान प्रस्तावित किया गया था। प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व के पुनर्संयोजन के साथ महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को प्रभावी बनाने की संवैधानिक राह तैयार करना भी था। मगर इस प्रस्ताव को आवश्यक राजनीतिक समर्थन नहीं मिल सका। संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक विशेष बहुमत प्राप्त नहीं कर पाया और आगे नहीं बढ़ सका। इससे जुड़ी परिसीमन संबंधी प्रक्रिया भी उसी समय रुक गई। इसलिए वर्तमान स्थिति में 850 सदस्यीय लोकसभा की कोई अंतिम और लागू व्यवस्था नहीं है। 2029 के चुनाव से पहले यदि इस दिशा में कोई नया संवैधानिक प्रयास होता है तो उसे संसद की निर्धारित प्रक्रिया और व्यापक राजनीतिक

सहमति से गुजरना होगा।

यहीं से परिसीमन का वास्तविक प्रश्न शुरू होता है। भारत में जनसंख्या के आधार पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सिद्धांत लोकतांत्रिक दृष्टि से स्वाभाविक दिखाई देता है। मगर भारत जैसे विशाल और विविध देश में केवल जनसंख्या को आधार बनाकर प्रतिनिधित्व तय करना अपने साथ कई दूसरे प्रश्न भी खड़े करता है। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने दशकों तक जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इन राज्यों की चिंता है कि यदि भविष्य में सीटों का पुनर्विन्यास केवल जनसंख्या के आधार पर होता है तो जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम हो सकता है।

दूसरी ओर अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की अपनी दलील है। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व में जनसंख्या का उचित प्रतिबिंब होना चाहिए। यही वह संतुलन है जिसे साधना आसान नहीं है। यदि किसी राज्य ने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है तो उसे इसका राजनीतिक नुकसान नहीं होना चाहिए। साथ ही अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को उनके वास्तविक जनसंख्या भार के अनुरूप प्रतिनिधित्व से वंचित रखना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से स्थायी समाधान नहीं हो सकता। समाधान दोनों के बीच संतुलन में ही संभव है। इसीलिए परिसीमन का प्रश्न सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सामान्य राजनीतिक मतभेद से कहीं बड़ा है। यह भारतीय संघीय व्यवस्था की संवेदनशील परीक्षा है। तमिलनाडु, केरल जैसे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को उत्तर प्रदेश,बिहार और राजस्थान जैसे अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की राजनीतिक वास्तविकता के साथ संतुलित करना होगा। डीएमके, समाजवादी पार्टी और अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्तियों को केवल राजनीतिक विरोध मानकर खारिज करने के बजाय उनके पीछे मौजूद संघीय चिंता को समझना होगा। महिला आरक्षण भी इसी विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान भारतीय लोकतंत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन की क्षमता रखता है। स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी ने पहले ही यह प्रमाणित किया है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए परिसीमन से जुड़ी प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। इसलिए सीटों के पुनर्विन्यास और महिला प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा। यह काम जल्दबाजी में नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक संवाद के माध्यम से होना चाहिए। इसी मानसून सत्र में विदेशी अंशदान से संबंधित विधायी प्रस्ताव भी चर्चा का विषय है। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक 2026 का उद्देश्य विदेशी धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही और निगरानी को मजबूत करना है। पंजीकरण समाप्त होने या प्रमाणपत्र रद्द होने की स्थिति में विदेशी अंशदान से अर्जित धन और उससे निर्मित संपत्तियों के प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। विदेशी धन का पारदर्शी उपयोग किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए महत्वपूर्ण विषय है। भारत में बड़ी संख्या में सामाजिक,शैक्षणिक, धार्मिक और जनसेवी संस्थाएँ विदेशी अंशदान प्राप्त करती हैं। इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि विदेशी धन का दुरुपयोग न हो और राष्ट्रीय हित प्रभावित न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वैध और जनहितकारी संस्थाओं के कामकाज में अनावश्यक प्रशासनिक बाधाएँ उत्पन्न न हों। प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन में विदेशी अंशदान संबंधी उल्लंघनों के लिए कारावास की अधिकतम अवधि को पाँच वर्ष से घटाकर एक वर्ष करने का प्रस्ताव भी शामिल है। आर्थिक दंड की व्यवस्था बनी रहेगी। पंजीकरण निलंबित या रद्द होने की स्थिति में संबंधित संस्थाओं की परिसंपत्तियों के प्रबंधन को लेकर भी प्रावधान प्रस्तावित हैं। इन प्रावधानों पर संसद में व्यापक चर्चा इसलिए जरूरी है ताकि कानून कठोर होने के साथ निष्पक्ष और स्पष्ट भी रहे।

परिसीमन और एफसीआरए दोनों विषय अपनी प्रकृति में अलग हैं। एक देश के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन से जुड़ा है। दूसरा विदेशी धन के नियमन और संस्थागत जवाबदेही से। दोनों में एक बात समान है। दोनों विषयों पर संसद में गंभीर बहस की आवश्यकता है। दुर्भाग्य यह है कि लगातार हो रहे व्यवधानों के कारण ऐसी बहस का अवसर सीमित होता जा रहा है। विपक्ष को सरकार से प्रश्न पूछने का पूरा अधिकार है। गंभीर आरोपों पर जवाब माँगना भी उसका दायित्व है। सरकार को विपक्ष की आपत्तियों का उत्तर देना चाहिए। महत्वपूर्ण विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा के लिए समय देना चाहिए। मगर विरोध और व्यवधान के बीच अंतर समझना भी उतना ही आवश्यक है। संसद को रोक देना किसी भी दल की स्थायी राजनीतिक विजय नहीं हो सकती। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए भेजती है कि वे उसकी आवाज उठाएँ और देश के भविष्य से जुड़े कानूनों पर विचार करें। सदन की कार्यवाही बाधित होने का अर्थ है कि जनता से जुड़े अनेक विषयों पर चर्चा का अवसर समाप्त हो जाना। सत्ता पक्ष को भी संख्या बल का अहंकार लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। बहुमत सरकार को कानून बनाने की शक्ति देता है। बहुमत सरकार को संवाद से मुक्त नहीं करता। विपक्ष को भी यह समझना होगा कि संख्या में कम होने के बावजूद उसकी राजनीतिक शक्ति तर्क,तथ्य और जनहित के मुद्दों से बढ़ सकती है। संसद में मजबूत विपक्ष का अर्थ केवल विरोध नहीं है। मजबूत विपक्ष वह है जो सरकार से सवाल भी करे और वैकल्पिक दृष्टि भी प्रस्तुत करे। 2029 का आम चुनाव अभी सामने नहीं है। उसकी राजनीतिक पृष्ठभूमि अवश्य तैयार होने लगी है। परिसीमन का प्रश्न आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति का एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। महिला आरक्षण,जनसंख्या नियंत्रण और राज्यों के प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन साधना राजनीतिक नेतृत्व की गंभीर परीक्षा होगी। भारत की विविधता को देखते हुए किसी भी संवैधानिक बदलाव को केवल संख्या के आधार पर नहीं देखा जा सकता। उत्तर और दक्षिण भारत की अलग-अलग जनसांख्यिकीय वास्तविकताएँ हैं। राज्यों की अपनी सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ हैं। छोटे राज्यों की अपनी चिंताएँ हैं। महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अपना महत्व है। इन सभी को एक साथ लेकर चलना ही भारतीय संघवाद की वास्तविक भावना है। इसीलिए परिसीमन का समाधान टकराव में नहीं बल्कि सहमति में तलाशना होगा। संसद में दो- तिहाई बहुमत की संवैधानिक आवश्यकता केवल संख्या का गणित नहीं है। इसके पीछे यह भावना है कि संविधान में बड़े बदलाव व्यापक राजनीतिक सहमति के साथ ही किए जाएँ।

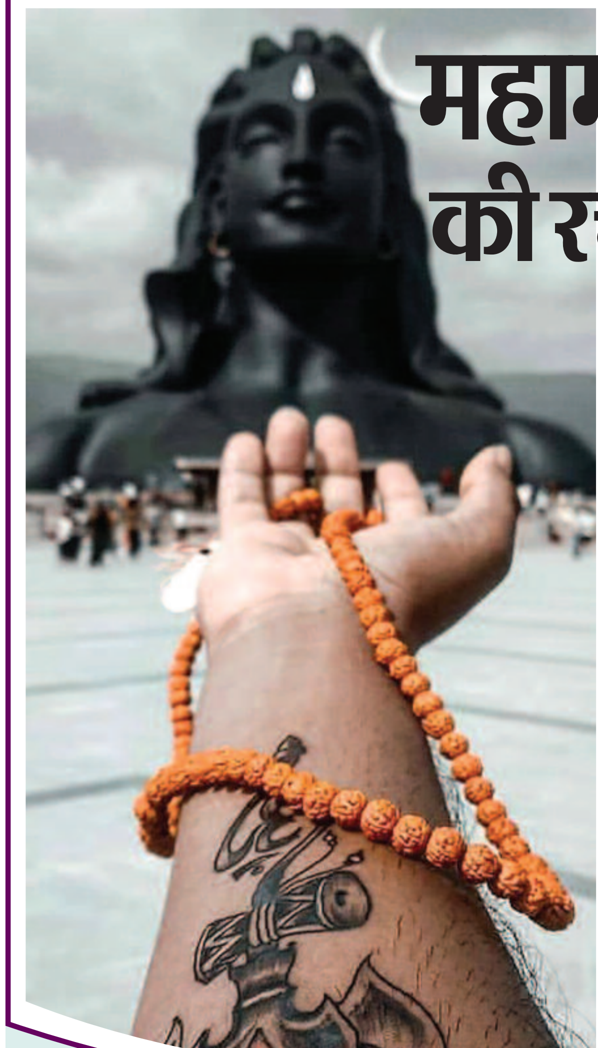

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए. यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ॐ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए. पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए-

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

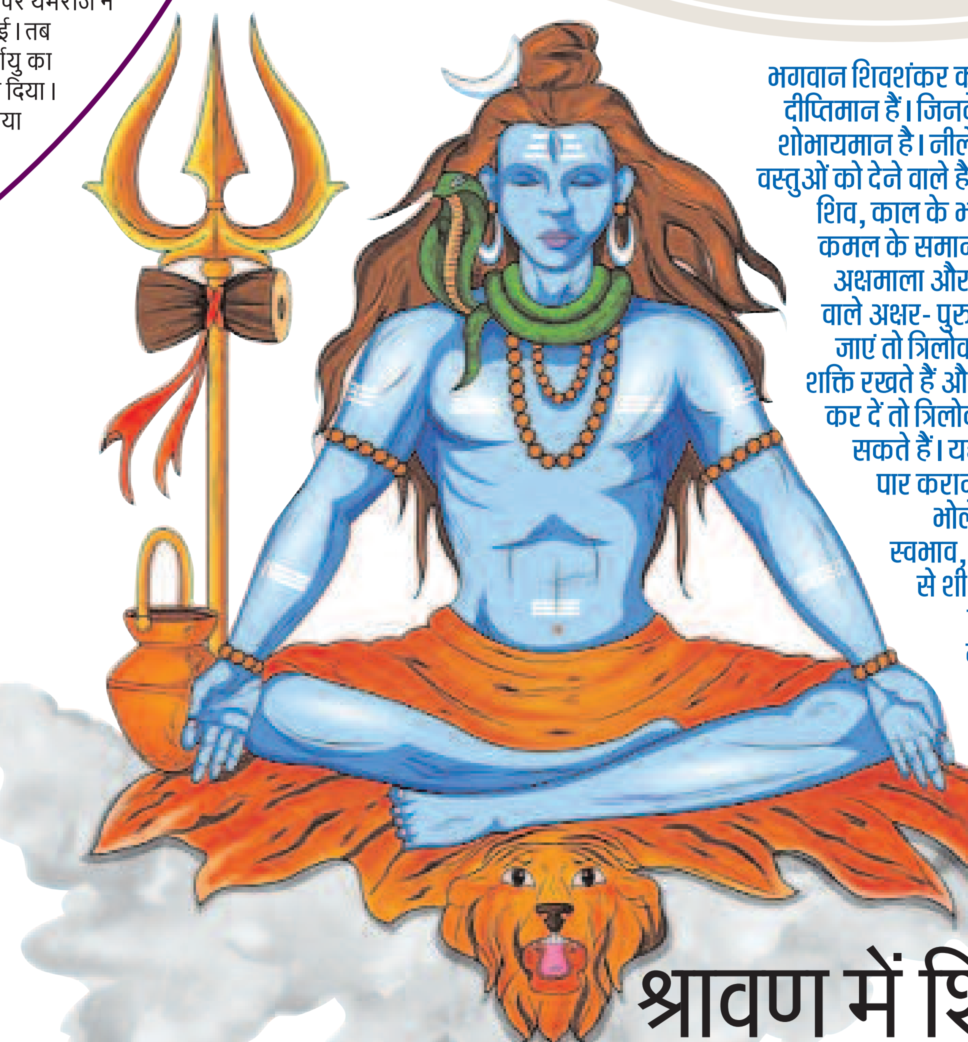

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीध्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश- गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत- प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज्रक है अर्थात जगह जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचनें के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं।शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

•इमरती •खीर •मावा लड्डू •ड्रायफ्रूट्स •रबड़ी •मालपुए •खोपरापाक •बूंदी के लड्डू •बर्फी •बेसन के व्यंजन •कलाकंद •मैसूर पाक •रसमलाई •पेड़ा •घेवर •सत्तू की मिठाई •हलवा •पेठा •गुलाब जामुन •जलेबी •रसगुल्ला। इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्ल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुब्भ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृशणवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।

महाराष्ट्र में दूध महंगा, 11 अगस्त से 2 रुपए प्र ति लीटर की बढ़ोतरी

पुणे ।

महाराष्ट्र में उपभोक्ताओं को अब दूध के लिए अधिक कीमत चुकानी होगी। मंगलवार, 11 अगस्त से गाय और भैंस के दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि लागू होगी। यह फैसला बढ़ती उत्पादन लागत के मद्देनजर लिया गया है। मिल्क प्रोड्यूसर्स एंड प्रोसेसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की हाल ही में हुई बैठक में प्रमुख सहकारी व निजी डेयरियों ने इस मूल्य वृद्धि पर सहमति जताई। एसोसिएशन के अनुसार कीमतों में वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हुआ है, वहीं पैकेजिंग खर्च में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अतिरिक्त, दूध की खरीद कीमत भी बढ़ गई है और आने वाले समय में इसमें और वृद्धि की संभावना है। इन बढ़ती लागतों को देखते हुए, दूध की बिक्री कीमत में वृद्धि का फैसला किया गया है। साथ ही डेयरी उत्पादों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

गोबरधन योजना से भारत को पांच अरब डॉलर की बचत संभव- आईबीए

नई दिल्ली।

भारतीय बायोगैस संघ (आईबीए) का मानना है कि केंद्र सरकार की 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना देश के प्राकृतिक गैस आयात बिल को आने वाले वर्षों में करीब पांच अरब डॉलर (लगभग 40 लाख करोड़ रुपये) तक कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आईबीए के अनुसार, कृषि अवशेष और जैविक कचरे को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने पर केंद्रित यह योजना मात्र सरकारी खर्च नहीं, बल्कि एक रणनीतिक राष्ट्रीय निवेश है। संघ ने कहा कि भारत अपनी प्राकृतिक गैस का लगभग 50 फीसदी आयात करता है। यदि करीब 1,500 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र पूरी क्षमता से संचालित होते हैं, तो प्राकृतिक गैस आयात में एक-तिहाई कमी लाई जा सकती है, जिससे सालाना करीब पांच अरब डॉलर की बचत होगी। यह योजना उर्वरक आयात और सरकार पर सब्सिडी के बोझ को भी कम करेगी। 1,500 सीबीजी संयंत्रों के संचालन से उर्वरक आयात में कम से कम पांच प्रतिशत (एक अरब डॉलर) की कमी आ सकती है। इसके अलावा, गोबरधन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होगी।

भारतीय सेना और बुलेट का अटूट रिश्ता- भरोसे की एक ऐतिहासिक गाथा

नई दिल्ली ।

स्वतंत्रता दिवस पर राजपथ से लेकर दुर्गम सीमाओं तक, जब भारतीय सेना के जांबाज मार्च पास्ट करते हैं, तब उनकी वीरता के साथ रॉयल एनफील्ड बुलेट की गड़गड़ाहट विशिष्ट पहचान बन जाती है। यह रिश्ता केवल एक वाहन और उसके चालक का नहीं, बल्कि देशभक्ति, भरोसे और गौरव की एक ऐतिहासिक साझेदारी का प्रतीक है। दशकों से बुलेट ने देश की रक्षा में, कठिन से कठिन रास्तों पर एक विश्वसनीय साथी की भूमिका निभाई है।

आज़ादी के तुरंत बाद 1947-48 के युद्ध ने कश्मीर और लद्दाख जैसे बर्फीले व पथरीले इलाकों में गश्त के लिए मजबूत और भरोसेमंद बाइक की तत्काल जरुरत का एहसास हुआ। कठोर परीक्षणों के बाद, रॉयल एनफील्ड बुलेट 350, अपने फोर-स्ट्रोक इंजन और आधुनिक रियर सस्पेंशन के कारण, सभी सैन्य मापदंडों पर खरी उतरी। वर्ष 1952 में, भारत सरकार ने ब्रिटेन की रॉयल एनफील्ड कंपनी को बुलेट 350 की 800 यूनिट्स का पहला ऑर्डर दिया, जो 1953 में भारतीय सेना के बेड़े का हिस्सा बनीं।

बढ़ती मांग और रखरखाव जरूरतों को देखकर 1955 में इंग्लैंड की रॉयल एनफील्ड और भारत की मद्रास मोटर्स ने मिलकर एनफील्ड इंडिया की नींव रखी। चेन्नई के तिरुवोट्टियूर में संयंत्र स्थापित किया गया और 1962 तक बुलेट का शत-प्रतिशत निर्माण भारत में ही होने लगा। आज यह भारतीय कंपनी ही पूरे विश्व में रॉयल एनफील्ड ब्रांड का संचालन कर रही है।

दशकों तक सीमाओं पर धाक जमाने वाली बुलेट के अलावा, आधुनिक सेना के बेड़े में अब कई नई गाड़ियां शामिल हैं। मोटरसाइकिलों में रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 और क्लासिक 500 के साथ-साथ हीरो जी.एस. 150आर, टीवीएस अपाचे और रॉयल एनफील्ड हिमालयन का उपयोग हो रहा है। मारुति जिप्सी की जगह अब मजबूत टाटा सफारी स्टॉर्म (जीएस800), महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक और फोर्स गुर्खा जैसी 4×4 एसयूवी ले रही हैं।

कंपनियों के नतीजे और महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतें भी शेयर बाजार को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बावजूद शानदार बढ़त दर्ज की, जहां सेंसेक्स 78,499.17 और निफ्टी 24,570.65 के नए स्तरों पर बंद हुए। अब निवेशकों की निगाहें इस सप्ताह कई घरेलू और वैश्विक कारकों पर टिकी हैं, जो बाजार की अगली चाल तय करेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और भू-राजनीतिक तनाव अहम भूमिका निभाएंगे। इस हफ्ते कई बड़ी कंपनियां अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। इनमें टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचएएल, भारत फोर्ज और ग्रासिम इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज फर्में शामिल हैं। कंपनियों के मुनाफे, बिक्री और भविष्य के अनुमानों पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बेहतर प्रदर्शन बाजार को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा सकता है, जबकि कमजोर नतीजे दबाव बना सकते हैं। 12 अगस्त को जुलाई माह के खुदरा महंगाई (सीपीआई) आंकड़े जारी होंगे, जिनके साथ थोक महंगाई और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा पर भी नजर रहेगी। महंगाई के आंकड़े इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी ब्याज दरों की नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। महंगाई में कमी से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ेगी, जो बाजार के लिए सकारात्मक होगी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में चल रहा तनाव एक बड़ा वैश्विक ट्रिगर बना हुआ है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। तनाव में कमी से वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, जबकि किसी भी वृद्धि से शेयर बाजारों पर दबाव बढ़ सकता है।

बीते सप्ताह सोना 6,000 से ज्यादा उछला, चांदी 2.3 लाख के पार

कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी से सोना-चांदी हुई महंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में यह हफ्ता सोने और चांदी के लिए रिकॉर्ड तेजी लेकर आया। वैश्विक बाजार में कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी के चलते एक ही हफ्ते में सोने का दाम 6,000 रुपए से अधिक और चांदी 13,000 रुपए से ज्यादा चढ़ गई। इस जोरदार उछाल से निवेशकों में खुशी है, वहीं खरीदारों को अब अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक 24 कैरेट सोना इस हफ्ते 6,761 रुपये महंगा होकर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। पिछले हफ्ते यह 1,42,860 रुपए प्रति 10 ग्राम था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। गहने बनाने में इस्तेमाल होने वाला 22 कैरेट सोना भी 6,093 रुपए बढ़कर 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। चांदी की कीमतों में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 प्रति किलो था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गई है। विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम हुई है। इसी के साथ डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं में निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे इनकी कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

हुडको का ऋण पोर्टफोलियो 2 लाख करोड़ के पार

अगले वित्त वर्ष में विस्तार हेतु घरेलू-विदेशी बाजारों से जुटाएगी बड़ी पूंजी

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र के अवसंरचना वित्तपोषण संस्थान हुडको ने चालू वित्त वर्ष में अपने ऋण पोर्टफोलियो के 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान जताया है। कंपनी अगले वित्त वर्ष में अपने विस्तार के लिए 75,000 करोड़ रुपए जुटाने की बड़ी योजना पर काम कर रही है, जो उसकी बढ़ती परिसंपत्तियों को वित्तपोषित करेगी। हुडको के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में 1.62 लाख करोड़ रुपए रहा ऋण पोर्टफोलियो, मजबूत मांग के चलते इस वित्त वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में घरेलू और विदेशी बाजारों से कुल 75,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई है। इसमें से 20,000 करोड़ रुपए पहली तिमाही में जुटाए जा चुके हैं, जबकि शेष 55,000 करोड़ रुपए अगली तीन तिमाहियों में आएंगे। धन जुटाने के लिए 'कैपिटल गेन' बॉन्ड (1,000 करोड़ रुपए तक) और गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जैसे माध्यमों का उपयोग होगा। चालू वित्त वर्ष के लिए हुडको का लक्ष्य 65,000 करोड़ रुपए के कर्ज वितरण का है।

सेंसेक्स की 10 में से चार प्रमुख कंप नियों का बाजार पूंजीकरण 1.43 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस, टीसीएस व एलएंडटी भी फायदे में, जबकि एचडीएफसी बैंक और एलआईसी को नुकसान

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में मिलाजुला रुख रहा। जहां एक ओर चार कंपनियों ने सामूहिक रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की, वहीं छह अन्य कंपनियों को लगभग 1.23 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को इस दौरान सबसे अधिक लाभ हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने निवेशकों का विश्वास जीता और इसका बाजार पूंजीकरण 63,922 करोड़ रुपये बढ़कर 10.11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज भी मजबूत रही, जिसका बाजार मूल्यांकन 32,816 करोड़ रुपये बढ़कर 18.01 लाख करोड़ रुपये रहा और वह शीर्ष पर कायम रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 31,875 करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 14,637 करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हुआ। हालांकि, इन सकारात्मक रुझानों के बावजूद कुछ प्रमुख वित्तीय संस्थाओं और उपभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को सर्वाधिक 40,543 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट का सामना करना पड़ा, जिससे इसका मूल्यांकन घटकर 4.96 लाख करोड़ रुपये रह गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत में भी 37,168 करोड़ रुपये की कमी आई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 24,183 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 9,507 करोड़ रुपये घटा।

भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर को भी क्रमशः 7,581 करोड़ रुपये और 4,793 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सप्ताह के अंत में बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी हुई है, जिसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025-26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात, किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है।

भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

अल नीनो से भारत स हित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर महंगाई का खतरा- एसएंडपी

खाद्य महंगाई, कृषि उत्पादन में कमी और जलविद्युत पर असर की आशंका

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगाह किया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र, विशेषकर भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपीन, 2026 में शुरू होने वाले अल नीनो के कारण बढ़ती कीमतों के बीच मौसम संबंधी आपूर्ति झटकों के प्रति संवेदनशील हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है, हालांकि व्यापक प्रभाव प्रबंधन योग्य रहने की उम्मीद है। एसएंडपी के अनुसार अल नीनो से कृषि उत्पादन में कमी, खाद्य महंगाई में वृद्धि और जलविद्युत उत्पादन में गिरावट आ सकती है, जिससे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया विशेष रूप से प्रभावित होंगे। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने अगस्त से अक्टूबर के बीच मजबूत अल नीनो की आशंका जताई है। भारत के पास जुलाई 2026 तक पर्याप्त खाद्य भंडार हैं और जिला स्तर पर किसानों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अन्य एशियाई देशों ने भी खाद्य भंडार बढ़ाने, आयात योजना में सुधार और सिंचाई ढांचे में निवेश जैसे कदम उठाए हैं। हालांकि, कृषि पर अधिक निर्भर अर्थव्यवस्थाएं और खाद्य आयात पर निर्भर उपभोक्ता गंभीर प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहेंगे।

बीते सप्ताह सस्ते हुए सोयाबीन और पाम तेल, सरसों और बिनौला में उछाल

सोयाबीन-पाम तेल में लागत से कम दाम पर बिकवाली

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के चलते सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन में गिरावट आई, जबकि त्योहारी मांग और कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल में मामूली तेजी दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातक बैंकों में अपना कर्ज (एलसी) घुमाने के दबाव में माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं। विदेशों में कीमतें अधिक होने के बावजूद इस प्रकार की बिकवाली से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट देखने को मिली। कामकाज कुछ कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी मामूली कमजोर रहे। दूसरी ओर, कम आवक और आगामी त्योहारी मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता और बड़ी ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के चलते बिनौला तेल के दामों में मामूली तेजी देखी गई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि भारत जैसे खाद्य तेल आयात पर निर्भर देश में लागत से कम दाम पर खाद्य तेलों की बिकवाली बैंकों और किसानों के लिए गंभीर चुनौती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 50 रुपये के सुधार के साथ 16,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,730-2,830 रुपये और 2,730-2,880 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

एनसीएलएटी में 'लॉग 9' की याचिका खारिज

100 ईवी की बरामदगी में सहयोग का आदेश बरकरार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने दिवाला प्रक्रिया में फंसी लॉग 9 मोबिलिटी के दो निलंबित निदेशकों को बड़ा झटका दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज से पट्टे पर लिए गए 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की पहचान और बरामदगी में सहयोग करने का निर्देश दिया गया था।एनसीएलएटी ने इन निदेशकों की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने अहमदाबाद स्थित एनसीएलटी पीठ के 21 जुलाई के आदेश को चुनौती दी थी। एनसीएलटी ने लॉग 9 मोबिलिटी के दोनों निलंबित निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज के कार्यालय में उपस्थित होकर फरीदाबाद स्थित लॉग 9 मोबिलिटी के परिसर से 100 ईवी की पहचान और बरामदगी के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया था। निदेशकों ने तर्क दिया था कि जेनसोल के साथ उनका कोई सीधा अनुबंध नहीं है और एनसीएलटी को किसी अन्य कॉरपोरेट देनदार की निलंबित प्रबंधन टीम के अधिकारियों को ऐसे निर्देश देने का अधिकार नहीं है। हालांकि, एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने इन दलीलों को खारिज कर दिया।

न्यायाधिकरण ने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी के पास व्यापक अधिकार हैं और वह ऐसे मामलों में आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह भी उल्लेख किया कि निदेशकों का मौजूदा रुख उनके ही पहले के बयान से मेल नहीं खाता। उन्होंने एनसीएलटी के समक्ष पहले ही स्वीकार किया था कि वाहनों के भंडारण, बरामदगी की स्थिति और उनके स्थान समेत विस्तृत जानकारी लॉग 9 के समाधान पेशेवर को उपलब्ध कराई गई थी। लॉग 9 मोबिलिटी का प्रबंधन 15 सितंबर, 2025 को कंपनी के कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025-26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात, किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

यूपीआई लेनदेन आम जनता के लिए मुफ्त, सरकार ने आरोपों को किया खारिज

बड़े व्यापारियों पर ही लग सकता है एमडीआर

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान करने वाले करोड़ों भारतीयों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए आम लोगों द्वारा किए जाने वाले लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें किसी बाहरी दबाव के चलते यूपीआई नीतियों में बदलाव की बात कही जा रही थी। व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) भुगतान भी पहले की तरह निःशुल्क जारी रहेगा। सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले आम ग्राहकों से कोई ट्रांजैक्शन चार्ज नहीं लिया जाएगा। भविष्य में अगर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होता भी है, तो इसका असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। यह केवल कुछ बड़े कारोबारियों के चुनिंदा ट्रांजैक्शन पर ही लगाया जाएगा, जिसकी दर क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर लगने वाले एमडीआर के मुकाबले काफी कम और मामूली होगी। एमडीआर कब और कितना लगाया जाए, इसका फैसला नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी करेगी। इसके लिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी, जिसका उद्देश्य यूपीआई तकनीक को बेहतर बनाना और भुगतान प्रणाली को मजबूत करना है। डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्री का मानना है कि थ्रेशोल्ड का मतलब है कि भविष्य में एमडीआर सिर्फ ज्यादा टर्नओवर वाले बड़े व्यापारियों पर ही लगाया जाएगा। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने पहले भी बड़े व्यापारियों के लिए 0.3 फीसदी की मामूली एमडीआर दर लागू करने का सुझाव दिया था। पीसीआई के अनुसार, देश के लगभग 90 फीसदी छोटे व्यापारी (सालाना टर्नओवर 20 लाख से कम) इससे प्रभावित नहीं होंगे। करीब 50 लाख बड़े कारोबारी, जो पहले से ही कार्ड पेमेंट पर 0.9 से 2 फीसदी तक एमडीआर देते हैं, वे ही इसके दायरे में आ सकते हैं। हाल ही में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी यूपीआई पर एमडीआर लगाने की चर्चा को समय से पहले बताया था, उनके मुताबिक रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

कोरिया फुटबॉल संघः विदेशी मैच अधिकारियों को अनुचित फेवर के देने के लगे आरोप

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया फुटबॉल संघ (केएफए) ने 2011 और 2012 में देश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबलों के दौरान विदेशी रेफरी और मैच अधिकारियों को कथित तौर पर अनुचित तरह का मनोरंजन उपलब्ध कराने के आरोपों को लेकर माफी मांगी है। संघ ने कहा कि वह एक दशक से भी पहले की कथित अनियमितताओं को लेकर बेहद शर्मिंदा है और इस मामले से लोगों में पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए खेद व्यक्त करता है। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मीडिया ने हाल ही में आरोप लगाया कि केएफए ने 2011 और 2012 में विश्व कप और ओलंपिक क्वालिफायर के अलावा कुछ दोस्ताना मुकाबलों से पहले और बाद में विदेशी रेफरी तथा अन्य मैच अधिकारियों के लिए अनुचित मनोरंजन की व्यवस्था की थी। इन आरोपों के सामने आने के बाद केएफए को संसदीय सुनवाई, अपने मुख्यालय पर पुलिस की छापेमारी और मीडिया रिपोर्ट्स का सामना करना पड़ा है। संघ ने कहा कि इन घटनाओं से पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए वह 'बेहद शर्मिंदा' है। केएफए ने हालांकि स्पष्ट किया कि मौजूदा समय में ऐसी कोई गलत प्रथा नहीं चल रही है और न ही कॉर्पोरेट कार्ड का दुरुपयोग किया जा रहा है। संघ ने पारदर्शिता और नैतिक मानकों को मजबूत करने तथा जनता का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए व्यापक सुधार करने का वादा किया है। केएफए पहले से ही राष्ट्रीय टीम के पूर्व मुख्य कोच होंग म्युंग-बो की नियुक्ति को लेकर विवादों में है। साल 2024 में हुई उनकी नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच के तहत पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में केएफए के मुख्यालय पर छापा मारा था। पिछले महीने केएफए के पूर्व अध्यक्ष चुंग मोंग-ग्यू और होंग म्युंग-बो से राष्ट्रीय टीम के प्रबंधन और संघ के कामकाज को लेकर संसदीय सुनवाई में सवाल भी पूछे गए थे। दक्षिण कोरिया के 2026 फीफा विश्व कप अभियान के निराशाजनक प्रदर्शन के बीच चुंग मोंग-ग्यू ने कुछ सप्ताह पहले केएफए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। टीम के नॉकआउट चरण में पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कोच होंग म्युंग-बो को भी पद छोड़ना पड़ा। दक्षिण कोरिया ग्रुप-ए में तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। टीम ने चेक गणराज्य को हराया, लेकिन मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा। इस्तीफे की घोषणा करते हुए चुंग ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और असफलताओं, दोनों को स्वीकार किया। दक्षिण कोरिया एशिया की शीर्ष फुटबॉल टीमों में से एक है। टीम का सबसे यादगार विश्व कप प्रदर्शन 2002 में आया था, जब दक्षिण कोरिया ने जापान के साथ मिलकर टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। अपने घरेलू विश्व कप में दक्षिण कोरिया सेमीफाइनल तक पहुंचा था और चौथे स्थान पर रहा था। सेमीफाइनल में उसे जर्मनी के हाथों हार मिली थी। जर्मनी बाद में फाइनल में ब्राजील से हार गया था।

जूनियर एशिया कप के लिए भारत की 18 सदस्यीय हॉकी टीम घोषित, अनमोल एक्का कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के लिए 18 सदस्यीय मुख्य टीम चुनी गई है, जबकि दो खिलाड़ियों को वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय टीम फिलहाल बंगलूरू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज की निगरानी में प्रशिक्षण कर रही है। टीम ने टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत हाल ही में बेल्जियम का एक्सपोजर दौरा भी किया था, जहां खिलाड़ियों ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले। इस दौरे से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैच खेलने का अनुभव मिला। साथ ही टीम को अपनी प्रगति का आकलन करने, संयोजन बेहतर करने और टूर्नामेंट से पहले तैयारियों को मजबूत करने का मौका मिला। भारतीय टीम फिलहाल साइ केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 टीम के खिलाफ अभ्यास मैचों के जरिए भी अपनी तैयारियों को धार दे रही है।

अस्मिता चलिहा बनीं कोरिया मास्टर्स चैंपियन

पहला गेम हारने के बाद किया कमाल का कमबैक

असान, एजेंसी। भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी अस्मिता चलिहा ने शानदार वापसी करते हुए विक्टर कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में अस्मिता ने चीन की हान कियान शी को 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। 53 मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और लगातार दो गेम जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब हासिल किया।

फाइनल की शुरुआत अस्मिता के लिए अच्छी नहीं रही। वह पहले गेम में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती नजर आईं। हान कियान शी ने इसका फायदा उठाते हुए शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाई और पहला गेम 21-14 से अपने नाम कर लिया।

एक गेम से पिछड़ने के बाद अस्मिता ने अपने खेल की गति और आक्रामकता बढ़ाई। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में लगातार आक्रामक शॉट लगाए और चीनी खिलाड़ी को दबाव में रखा। अस्मिता ने दूसरा गेम भी 21-14 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

तीसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों लगातार अंक हासिल करती रहीं और मुकाबला बेहद करीबी रहा। हालांकि, मध्यांतर के बाद अस्मिता ने धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। उन्होंने 12-11 की बढ़त बनाने के बाद एक सटीक विनर लगाया। इसके बाद कोर्ट के बाहर जाते हुए बेहद मुश्किल शॉट को भी अस्मिता ने अंदर रखने में सफलता हासिल की और अपनी बढ़त 15-11 कर ली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अस्मिता ने शानदार क्रॉस-कोर्ट विनर के जरिए स्कोर 19-14 किया। अगले रिटर्न पर हान की शटल बाहर चली गई और भारतीय खिलाड़ी जीत के बेहद करीब पहुंच गईं। आखिरकार अस्मिता ने 21-14 से तीसरा गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

कोरिया मास्टर्स की यह जीत अस्मिता चलिहा के करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के सुपर 300 स्तर पर उनका पहला खिताब भी है। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह अस्मिता ने मुकाबले में वापसी की, वह उनकी मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। निर्णायक गेम में भी करीबी मुकाबले के बीच उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और अहम मौकों पर आक्रामक खेल दिखाकर इतिहास रच दिया।

पहले किया शानदार गोल, फिर उतारी जर्सी...!

डी पॉल ने मेसी को दिया ट्रिब्यूट; भावुक कर देने वाला पल

मियामी। इंटर मियामी के लिए खेलते हुए अर्जेंटीना के स्टार मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने शनिवार को ऐसा गोल किया, जिसने मुकाबले से ज्यादा अपने खास जश्न के कारण सुर्खियां बटोरीं। डी पॉल ने मॉन्टेरी के खिलाफ शानदार लंबी दूरी का गोल दागने के बाद अपनी जर्सी उतारी। इसके नीचे लियोनल मेसी की मशहूर नंबर-10 वाली जर्सी नजर आई। उनका यह अंदाज मेसी और उनके परिवार के प्रति भावुक श्रद्धांजलि के तौर पर देखा जा रहा है।

गोल के बाद दिखी मेसी की नंबर-10 जर्सी

मुकाबले के 31वें मिनट में डी पॉल को पेनल्टी एरिया के बाहर गेंद मिली।

उन्होंने बिना ज्यादा समय गंवाए जोरदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाया। मॉन्टेरी के गोलकीपर लुइस कार्डेनास ने गेंद को रोकने के लिए डाइव लगाई, लेकिन वह उसे गोल में जाने से नहीं रोक सके।

गोल करने के तुरंत बाद डी पॉल ने अपनी जर्सी उतार दी। उनके नीचे मेसी की नंबर-10 वाली जर्सी थी। डी पॉल का यह सेलिब्रेशन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और इसे मेसी के पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद उनके दोस्त को समर्थन देने के संदेश के रूप में देखा गया।

मेसी के बेहद करीबी दोस्तों में हैं डी पॉल

डी पॉल लंबे समय से लियोनल मेसी के बेहद करीबी साथियों में गिने जाते हैं। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम में दोनों की दोस्ती काफी मजबूत रही है और मैदान के बाहर भी डी पॉल ने कई मौकों पर मेसी का साथ दिया है। 2026 फीफा विश्व कप के दौरान भी मेसी निजी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण भावनात्मक रूप से परेशान नजर आए थे। उस समय डी पॉल उनके साथ खड़े रहे थे। अब क्लब स्तर पर भी उन्होंने अपने दोस्त को यह खास संदेश दिया।लियोनल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें अर्जेंटीना के रोसारियो स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जॉर्ज अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों, लियोनल, रोड्रिगो, मातियास और मारिया सोल को छोड़ गए हैं। जॉर्ज मेसी ने लियोनल के करियर में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह उनके एजेंट रहे और उनके व्यावसायिक मामलों को संभालते थे। युवा मेसी के साथ वह 2000 के दशक की शुरुआत में बार्सिलोना गए थे, जहां मेसी ने क्लब की मशहूर युवा अकादमी ला मासिया में ट्रायल दिया था।

मेसी के करियर में पिता का बड़ा योगदान

जॉर्ज खुद भी फुटबॉल खेल चुके थे। वह मिडफील्डर के तौर पर न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज की युवा टीम तक पहुंचे थे, लेकिन अनिवार्य सैन्य सेवा पूरी करने के लिए उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। बाद में उन्होंने अपने बेटे के करियर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। लियोनल मेसी ने 2005 में सीनियर फुटबॉल में डेब्यू किया और आगे चलकर आठ बैलन डी'ओर पुरस्कार जीते। उन्होंने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप का खिताब भी दिलाया। ऐसे में डी पॉल का गोल के बाद मेसी की नंबर-10 जर्सी दिखाना सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं, बल्कि अपने दोस्त और उसके परिवार के प्रति समर्थन का भावुक संदेश भी माना जा रहा है।

लक्ष्मण बोलेः सीरीज के दौरान नहीं हो सकता यो-यो टेस्ट

बंगलूरू । भारतीय क्रिकेट में बढ़ती चोटों के बीच बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्वश्व) पर सवाल उठ रहे हैं। खिलाड़ियों की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया, फिटनेस आकलन और स्पोर्ट्स साइंस टीम और राष्ट्रीय चयन समिति के बीच तालमेल को लेकर आलोचना के बीच सीओई के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने संस्थान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि सीओई की भूमिका केवल चोटिल खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य क्रिकेटरों को बेहतर बनाने और उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करना भी है।

लक्ष्मण ने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर टीम मैनेजमेंट अब लगातार निगरानी पर जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी सीरीज के दौरान खिलाड़ियों का पारंपरिक यो-यो टेस्ट कराना संभव नहीं होता। ऐसे में फिटनेस पर नजर बनाए रखने के लिए ब्रोंको टेस्ट को इस्तेमाल में लाया गया है।

लक्ष्मण ने बताया कि ब्रोंको टेस्ट के जरिए सीरीज के दौरान भी खिलाड़ियों की फिटनेस को लगातार मॉनिटर किया जा सकता है। इसे एड्रियन ने तैयार किया है। लक्ष्मण ने कहा, 'जब कोई खिलाड़ी सीरीज का हिस्सा होता है, तब यो-यो टेस्ट नहीं किया जा सकता। इसलिए हमने एड्रियन द्वारा तैयार किया गया ब्रोंको टेस्ट पेश किया है, ताकि फिटनेस की लगातार निगरानी की जा सके।' इस व्यवस्था का मकसद खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना उनकी फिटनेस की स्थिति पर नजर रखना है। इससे टीम मैनेजमेंट को यह समझने में मदद मिलती है कि खिलाड़ी मैच खेलने के लिए किस स्तर तक तैयार है।

लक्ष्मण ने बताया कि जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर विशेष रूप से परखा गया। दोनों खिलाड़ियों की फिटनेस को अलग-अलग मानकों पर जांचा गया और खेलने की मंजूरी देने से पहले उनकी स्थिति का कई स्तरों पर आकलन किया गया।

उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह और बी. साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर विशेष रूप से परखा गया। खेलने की मंजूरी देने से पहले हम उन्हें एक पैरामीटर से दूसरे पैरामीटर तक ले जाते हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट के बीच संवाद काफी सहज है।' लक्ष्मण ने यह भी बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और भारतीय टीम के मैनेजमेंट के बीच लगातार संवाद बना हुआ है।

श्रीलंका ने 200 रन बनाकर घोषित अपनी पारी, यशस्वी ने की तेज बैटिंग

कोलंबो। भारत और श्रीलंका इलेवन के बीच कोलंबो के नॉन्डस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में तीन दिवसीय वार्म अप मैच खेला जा रहा है। श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 200 रन बनाकर घोषित कर दी। टीम इंडिया के सामने 207 रन का लक्ष्य है। हालांकि, इससे भी बड़ी बात यह है कि कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे।

वह यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने आए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी निभाई। यशस्वी 46 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 61 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। वहीं, गिल अर्धशतक से चूक गए। वह 54 गेंद में सात चौके की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। फिलहाल ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल क्रीज पर हैं। भारत ने एक विकेट पर 135+ रन बना लिए हैं।

शुभमन की अंगुली में लगी थी चोट

शुभमन को वार्म अप मैच से पहले अंगुली में चोट लगी थी और वह शुरुआती दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। इस वार्म अप मैच में एक दिन श्रीलंका को बल्लेबाजी करनी थी और एक दिन भारत को। तीसरे दिन दोनों टीमों को 45-45 ओवर बल्लेबाजी करनी थी।

फैंस ने ली राहत की सांस

श्रीलंका इलेवन ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 363 रन बनाकर घोषित कर दी थी। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 357 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। तीसरे दिन श्रीलंका इलेवन ने 45 ओवर में छह विकेट पर 200 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर छह रन की लीड के साथ उनकी कुल बढ़त 206 रन की हुई और भारत को 207 रन का लक्ष्य मिला। गिल के खेलने पर संशय था, लेकिन अब जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं तो टीम मैनेजमेंट के साथ-साथ फैंस ने राहत की सांस ली होगी। गिल की गैरमौजूदगी में दो दिन केएल राहुल ने कमाल संभाली थी।

श्रीलंका इलेवन की दूसरी पारी

श्रीलंका-इलेवन के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन निशान मदुशंका ने बनाए। उन्होंने 73 गेंद में 63 रन की पारी खेली और रिटायर्ड हर्ट हुए। इसके अलावा अंजला बंदारा ने 35 रन और निपुण धनंजय ने 46 रन की पारी खेली। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला। भारत ने अपनी पहली पारी में 357 रन बनाए थे। केएल राहुल ने 40 रन और रवींद्र जडेजा ने 63 रन की पारी खेली थी। मानव सुथार ने 41 रन बनाए थे। इसके अलावा सारांश जैन ने 22 रन और गुरनूर बराड़ ने 18 गेंद में दो चौके और चार छक्के की मदद से ताबड़तोड़ 36 रन बनाए।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिपः बसंत कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

यूजीन। बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन के यूजीन में हो रही अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2.21 मीटर की अपनी पर्सनल बेस्ट जंप की बराबरी की। राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले 19 साल के बसंत, किसी भी विश्व स्तर इवेंट में हाई जंप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बसंत ने पहले 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की। इसके बाद 2.21 मीटर की शानदार जंप ने पोडियम पर उनकी जगह पक्की कर दी। टॉप तीन एथलीटों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला विश्व स्तरीय मेडल भी है। शुरुआत में पीछे रहने के बाद, शाहनवाज ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की जबरदस्त जंप लगाई और फिर पांचवें राउंड में 7.83 मीटर की जंप के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान बनाया। इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

शुक्रवार को जैवलिन थ्रो में आशीष यादव के सिल्वर मेडल के बाद, यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा मेडल है। इसके साथ ही, भारतीयों ने 2021 की अंडर 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन (कुल तीन मेडल) की बराबरी कर ली है। इवेंट खत्म होने में अभी एक दिन बाकी है और भारत के पास टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड कायम करने का सुनहरा मौका है।इससे पहले, भारत की महिलाओं की 4म400 मीटर रिले टीम - जिसमें भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम शामिल थीं ने अपनी हीट में टॉप तीन में जगह बनाकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3974

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

10 → 1 2 3 4; 6 ↓ 1 2 3

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3973 का हल

(clue cells: down\across)

■	4\	7\	■	■	15\	29\	■	■	■
\3	1	2	10\	\17	8	9	11\	■	■
\6	3	1	2	23\14	7	5	2	10\	■
■	\21	4	8	9	16\18	8	9	1	4\
■	■	■	3\24	8	9	7	\7	4	3
■	10\	11\14	1	6	7	11\	16\3	2	1
\6	1	3	2	■	\6	2	1	3	■
\16	9	7	4\	11\	\16	9	7	8\	11\
■	\13	1	3	9	■	\24	8	7	9
■	■	\3	1	2	■	■	\3	1	2

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3974

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3973

का	ला	प	त्थ	र	■	को	ह	श	■
र	■	ड़	■	क्ष	त्रि	य	■	जा	ल
वॉ	■	स	ड़	क	■	ला	वा	■	म्हे
■	जा	न	■	■	ज	■	दा	दा	■
दि	ल	■	ख	ट्टा	मी	ठा	■	मि	ली
व्या	■	खे	ल	■	र	■	स	नी	■
■	प	■	ना	ना	■	डॉ	न	■	डो
प	रि	च	य	■	सु	■	म	वा	ली
■	वा	■	क	सू	र	■	■	रि	■
पा	र	स	■	र्या	■	वि	श	स	त

सूडोकु -3974

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3973 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 3974

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -3973 का हल

■	अ	ह	म	क	■	जा	य	दा	द	■
ल	■	क	म	र	■	न	म	न	■	अ
व	स	■	ता	त	■	का	ज	■	हा	र
कु	ली	न	■	ल	ह	र	■	रा	ज	मा
श	ब	न	म	■	म	■	आ	स	मा	न
■	■	■	सा	फ	स	फा	ई	■	■	■
अ	च	र	ज	■	फ	■	ना	ला	य	क
व	म	न	■	ह	र	म	■	ल	की	र
ता	न	■	स	जा	■	हा	र	■	न	त
र	■	क	र	म	■	व	ज	न	■	ब
■	ग	फ	ल	त	■	त	क	दी	र	■

न करें पैरों को नजरअंदाज

से पैरों को धो लें।

- आधा टब गुनगुने पानी में दो चम्मच फिटकरी पाउडर, 2 चम्मच नमक, 5-6 बूंद लैवेंडर ऑयल और एक चम्मच कोकोनट ऑयल डाल कर अच्छी तरह मिलाएं। फिर उसमें पैरों को कम से कम आधा घंटे डाले रहें। प्यूमिक स्टोन से हलका रगडकर बेजान त्वचा को निकाल दें। इससे पैरों की थकान दूर होती है। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।
- पैरों में रक्तसंचार उचित रूप से हो इसके लिए ठंडे और गर्म पानी का ट्रीटमेंट दें। दो टबों में पानी लें। एक में गर्म और दूसरे में ठंडा। फिर 5-5 मिनट बारी-बारी से गर्म व ठंडे पानी में पैरों को डुबोएं। ऐसा कम से कम 20 मिनट तक करें।

घर पर करें पेडीक्योर

यदि हर हफ्ते पार्लर जाना मुमकिन न हो तो घर पर ही इस तरह पेडीक्योर करें-

- एक टब में गर्म पानी लें। इसमें एक चम्मच सी सॉल्ट व 1 चम्मच ऑलिव ऑयल डालकर पैरों को 20 मिनट तक डुबोएं। तौलिये से रगडकर पोछें ताकि कडी और बेजान त्वचा निकल जाए।
- अब पैरों पर एक्सफोलिएटिंग स्क्रब लगा कर दोबारा रगडें। साफ पानी से धो लें।
- नेल कटर से अपने नाखून तराशें। साथ ही क्यूटिकल्स को एक ऑरेंज स्टिक से पीछे करें। इन्हें काटे नहीं।
- पैरों को साफ तौलिये से सुखाएं फिर फुट क्रीम से अच्छी तरह मसाज करें। पैरों का मसाज हमेशा नीचे से ऊपर की तरफ करें, यानी अंगूठे से टखने तक।
- नाखूनों पर बेस कोट लगाएं। फिर नेल पॉलिश के 2 कोट लगाएं। पहला कोट सूखने पर दूसरा कोट लगाएं।
- नेल पॉलिश लगाते समय प्रत्येक अंगुली के बीच में थोडी रुई का टुकडा रखें ताकि नेल पॉलिश इधर-उधर न लगे।

सुधारें फटी एडियों को

आप चाहे कितनी ही सुंदर क्यों न हों, फटी हुई एडियां आपकी सुंदरता की चुगली कर ही देती हैं। एडियां फटने के कई कारण हो सकते हैं. जैसे बहुत लंबे समय तक लगातार खडी रहना, मोटापा, खुले जूते या चप्पलों का प्रयोग, रूखी त्वचा, स्वच्छता की तरफ ध्यान न देना आदि। यदि इस ओर थोडा ध्यान दिया जाए तो काफी हद तक एडियों के फटने को नियंत्रित किया जा सकता है। आप इसके लिए यहां दी गई कुछ बातों पर ध्यान दें-

- रोज रात में सोने से पहले एडियों को अच्छी तरह साफ करें।
- गुनगुने पानी में थोडा सा खाने वाला सोडा डालकर पैरों को 10 मिनट तक डुबो कर रखें। साफ पानी से धोकर सुखाएं।
- एडियों पर मॉयस्चराइजिंग क्रीम या फुट क्रीम लगाएं।
- विटमिन ए से भरपूर खाद्य पदार्थो का सेवन करें, जैसे गाजर, दूध, दही इत्यादि।
- वैसलीन में कुछ बूंदे नीबू के रस की मिलाकर फटी एडियों पर लगाने से वे ठीक हो जाती हैं।
- कोकोनट ऑयल में ग्लिसरीन मिलाकर फटी एडियों पर लगाना लाभकारी होता है।
- यदि फटी एडियों से खून निकलने लगे तो किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें, ताकि संक्रमण से बचा जा सके।

फुटवेयर का चयन

- सफाई के साथ-साथ पैरों की सुंदरता जूतों पर भी काफी निर्भर करती है। उचित फिटिंग के फुटवेयर न पहनने से पैरों में कॉर्न होने का खतरा रहता है।
- मुलायम चमडे या स्वेड के फुटवेयर आरामदायक होते हैं।
- फ्लैट चप्पल के बजाय फोम वाली चप्पल पहनें, ताकि शरीर का वजन न केवल एडियों बल्कि पंजे सहित पूरे तलवे पर पडे।
- जूते चप्पल सदैव दोपहर के समय ही खरीदें, क्योंकि उस समय पैरों का सही आकार होता है। फुटवेयर दोनों पैरों में पहन कर कुछ देर चल कर देखें।
- गलत साइज के फुटवेयर पहनने से पीठ या कमर में दर्द हो सकता है। साथ ही चाल बिगडने का भी डर रहता है।
- डायबिटीज के रोगियों को फुटवेयर खरीदने में सावधानी बरतनी चाहिए। इस रोग में पैर में सूजन आने व फटने की समस्या होती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	50%	Island Position	50%	Strip Advt.	15%
Front Page (Solus)	75%	Right Hand Page	10%	Political Advt.	50%
Back Page	25%	Top of AD Column	15%	Pull Outs	50%
Page Three	20%	Any Other Spl. Position	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

इन्फ्लुएंसर्स को एक्टिंग मिलने की बहस पर बोलीं निहारिका

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फिल्मों में मौका दिए जाने को लेकर अक्सर बहस होती रहती है। कुछ लोग इसे टैलेंट का विस्तार मानते हैं, तो कुछ इसे संघर्ष कर रहे कलाकारों के साथ नाइंसाफी बताते हैं। लेकिन करोड़ों फॉलोअर्स वाली डिजिटल स्टार और अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रहीं निहारिका ह्रूइस पूरी बहस को एक ही लाइन में खत्म कर देती हैं – 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता... दुनिया अनफेयर है, अपना गेम खेलो।' चेन्नई में जन्मीं और बेंगलुरु में पली-बढ़ीं निहारिका ने अपने अलग अंदाज के कॉमिक कंटेंट से डिजिटल दुनिया में खास पहचान बनाई है। वह 'फोर्ब्स एशिया 30 अंडर 30' में जगह बना चुकी हैं और 'फोर्ब्स की शीर्ष डिजिटल स्टार्स' की सूची में भी शामिल रह चुकी हैं। उन्होंने राघव जुयाल के साथ फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया है।

'मुझे स्क्रिप्ट देखकर लगा, दर्शक होती तो यह फिल्म जरूर देखती'

निहारिका बताती हैं कि फिल्म का ऑफर मिलते ही उन्हें इसकी कहानी पसंद आ गई। वह कहती हैं, 'मुझे स्क्रिप्ट बहुत अच्छी लगी। डायरेक्टर बहुत अच्छे लगे और पूरी टीम यंग और फ्रेश थी। राघव भी थे, इसलिए पूरा पैकेज ही एक्साइटिंग था। मैं हमेशा दर्शक के नजरिए से सोचती हूं। अगर मैं खुद ऑडियंस होती, तो क्या यह फिल्म देखने जाती? जब इसका जवाब 'हां' था, तभी मैंने फिल्म करने का फैसला लिया।'

राघव जुयाल उड़ाते हैं मेरी इंग्लिश का मजाक

सेट पर माहौल कैसा रहता था? इस सवाल पर निहारिका हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, 'राघव मेरी इंग्लिश और मेरे एक्सेंट का बहुत मजाक उड़ाता है। वैसे जब कोई साउथ से आता है तो लोग ऐसी चीजों पर मजाक कर ही लेते हैं। लेकिन यह सब बहुत पॉजिटिव तरीके से होता है। फिर मैं भी उसे छोड़ती नहीं हूं। हम दोनों एक-दूसरे की खूब खिंचाई करते थे। इसी वजह से सेट का माहौल हमेशा हल्का और मजेदार बना रहता था।'

सोशल मीडिया स्टार्स को फिल्में क्यों मिलती हैं? मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता'

इंडस्ट्री में सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर कास्टिंग होने की बहस पर निहारिका ने बेबाकी से अपनी राय रखी। वह कहती हैं, 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन क्या सोचता है। अगर मैं 10 साल से मेहनत कर रही हूं और मुझे अच्छी फिल्म मिल रही है तो मैं जरूर करूंगी। अगर अनफेयर की बात हो रही है, तो दुनिया ही अनफेयर है। इसे बदल नहीं सकते, इसलिए उसी हिसाब से अपना गेम खेलना चाहिए। अगर किसी को सोशल मीडिया से दिक्कत है तो वह भी सोशल मीडिया बना ले। मेरे बारे में कोई कुछ भी बोले, उसका ओपिनियन अपनी जगह सही हो सकता है। मैं लोगों की राय समझती हूं, लेकिन आखिर में करूंगी वही जो मुझे सही लगता है।'

हमारे पास बार-बार असफल होने का मौका नहीं होता

डिजिटल स्टार होने की वजह से लोगों की उम्मीदें भी अलग होती हैं। इस पर निहारिका कहती हैं, 'हर कदम पर खुद को साबित करना पड़ता है। हमारे पास सबके सामने बार-बार असफल होने का मौका नहीं होता। दूसरे लोगों को कई मौके मिल जाते हैं... लेकिन बाहर से आने वालों के लिए ऐसा नहीं होता। इसलिए मैं हमेशा बहुत सजग रहती हूं। लेकिन मुझे खुद पर भरोसा है कि मैं कुछ न कुछ रास्ता निकाल ही लूंगी। मैंने पांच भाषाएं सीखी हैं, इसलिए कहीं न कहीं काम जरूर मिल जाएगा।'

साउथ और हिंदी इंडस्ट्री में बड़ा फर्क नहीं

साउथ फिल्मों में काम करने के बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने को लेकर निहारिका का नजरिया काफी सहज है। वह कहती हैं, 'सच बताऊं तो मुझे कोई बहुत बड़ा फर्क महसूस नहीं हुआ। बस भाषा अलग है और थोड़ा-सा कल्चर बदल जाता है।

अच्छी कहानियां और अच्छा काम अब भाषा और बॉर्डर नहीं देखते। मुझे जहां भी अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, वहां का अनुभव शानदार रहा। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं आज भी अपने काम को उतना ही एंजॉय करती हूं।'

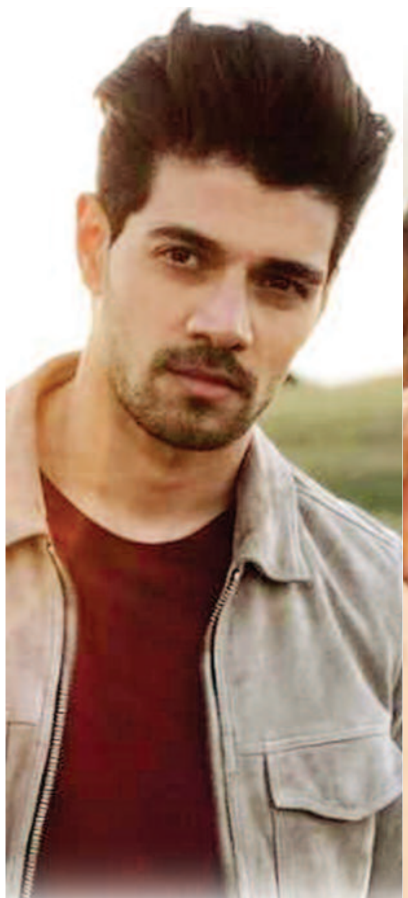

मुकदमे ने बर्बाद कर दिए बेहतरीन साल

एक्ट्रेस जिया ने 2013 में सुसाइड कर लिया था। इसकी वजह से कई साल तक सूरज पंचोली पर मुकदमा भी चला। अब सूरज ने इस मामले में अपना पक्ष फैंस के सामने रखा और उनसे अपील भी की है। अभिनेता सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया के जरिए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'सभी मीडिया संस्थानों से निवेदन है। कृपया स्पष्ट करें कि आपके किन सवालों के जवाब नहीं मिले और कृपया अपने तथ्यों की जांच सही तरह करें। मैंने 14 साल तक चले मुकदमे का सामना किया। मामला तथ्यों, सबूतों और कानून के आधार पर तय किया गया था। मुझे बरी कर दिया गया था, और कानूनी कार्यवाही से संबंधित कोई भी प्रश्न ऐसा नहीं है जिसका जवाब न मिला हो। अदालत के सभी रिकॉर्ड और मुकदमे की कार्यवाही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति जो वास्तव में कोई राय बनाने से पहले फैक्ट को समझना चाहता है, वह उन्हें देख सके।' अपनी पोस्ट में सूरज ने आगे लिखा, 'जब यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, तब मेरी उम्र मात्र 20 वर्ष थी। मैं उसे केवल चार महीने से जानता था, और मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह अंदर ही अंदर किस पीड़ा से गुजर रही होगी। उस उम्र में, मैं इतना छोटी था कि यह समझ नहीं पाता था कि कोई व्यक्ति इतना बोझ अपने अंदर कैसे दबा सकता है। इसके बाद जो कुछ हुआ, उसने मेरा जीवन हमेशा के लिए बदल दिया।' इसके बाद उन्होंने बताया, 'जिया के सम्मान के कारण, मैंने कभी भी सार्वजनिक रूप से उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात नहीं की जो उन्होंने मुझसे साझा कीं। मैंने अपने साथ हुए हर कष्ट के बावजूद उनकी निजता को सुरक्षित करना चुना। मैं बदले में केवल यही निष्पक्षता और सम्मान चाहता हूं।'

अपने बुरे वक्त को याद करने हुए आगे सूरज ने अपनी पोस्ट में बताया, 'मैंने अगले 14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष किया। ये वो साल थे जब मुझे अपना जीवन संवारना चाहिए था। इसके बजाय, मैं एक ऐसे मुकदमे के बोझ तले जी रहा था जिसने मेरे बीसवें और तीसवें दशक के एक बड़े हिस्से को बर्बाद कर दिया। सिर्फ मैं ही जानता हूँ कि हर दिन मेरे मन और दिल में क्या बोझ रहता था। कानून की अदालत ही एकमात्र ऐसी जगह थी जहाँ मैं अपनी बेगुनाही साबित कर सकता था।

मां बनने के बाद शो में वापसी करना मेरे लिए चुनौतियों से भरा था

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक दो जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद अब 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' (डर का नया दौर) में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में माना कि मां बनने के बाद शो में वापसी करना फिजिकल चुनौतियों से भरपूर था। अभिनेत्री ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उनकी बॉडी में कई तरह के बदलाव हुए हैं। रुबीना ने कहा कि उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने कहा, 'मुझे पहले स्टंट में ही एहसास हो गया था कि किया मुझे और भी स्ट्रॉन्ग बनने के लिए 4-5 साल और इंतजार करना चाहिए था। फिर वापस आना चाहिए था। इस शो में फिजिकली स्ट्रॉन्ग बनने से कहीं ज्यादा मेंटल रेजिलिएंस मायने रखता है।' उन्होंने आगे कहा, 'शो में स्टंट के दौरान मुझे समझ में आ गया था कि अब या फिर कभी नहीं क्योंकि रेजिलिएंस, आपकी मेंटल स्टेबिलिटी, समय और कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती।' अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने के लिए हिम्मत अंदर से ही आती है न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर के स्ट्रॉन्ग माइंडसेट ने मुझे फिजिकल लिमिटेशन के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की थी, तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं सच में मजबूत थी। और फिर फिजिकल तौर पर यह बहुत चैलेंजिंग था।' एडवेंचर रियलिटी शो में अपने पिछले अपीयरेंस से अपने लेटेस्ट स्टिंट की तुलना करते हुए, रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी फिजिकल एबिलिटीज में फर्क महसूस किया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई फिजिकल चैलेंज थे, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं।' बता दें कि रुबीना ने 2023 में पति अभिनव शुक्ला के साथ जुड़वां बेटियों जीवा और एधा का स्वागत किया। वह अभी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जा रहे 'खतरों के खिलाड़ी 15' में सभी चैलेंज का सामना करती हुई दिखाई दे रही हैं।

'आवारापन-2' के जरिए इमरान हाशमी की दमदार वापसी

इमरान हाशमी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आवारापन-2' के मेकर्स ने गुरुवार को ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर के जरिए अभिनेता इमरान हाशमी ने शिवम के किरदार से वापसी की है। 1 मिनट 25 सेकंड का ट्रेलर उन सभी दर्शकों के सवालों का जवाब देता है जो 2 दशकों से 'आवारापन' को पसंद करते आए था। इस बार शिवम के अंदर पहले से ज्यादा दर्द, गुस्सा और एक ऐसा मकसद है, जिसे कोई रोक नहीं सकता। ट्रेलर में शिवम के बदले और माफी की दुनिया देखने को मिलती है। इसमें शिवम के चेहरे पर भारी जख्म देखने को मिल रहे हैं। इमरान का ये परफॉर्मेंस याद दिलाता है कि ये किरदार 20 साल से लोगों के दिलों में क्यों बसा हुआ है। फिल्म में शबाना आजमी, दिशा पाटनी, पुराण गब्बी, अनिरुद्ध रावल, सुरेंद्र विक्की, विजयंत कोहली और अतुल कुमार भी अहम रोल में हैं। अभिनेत्री दिशा पाटनी जारा के किरदार में फिल्म में नजर आई हैं, जो कहानी में एक नई कड़ी या इमोशनल डायमेंशन लेकर आती हैं। शबाना आजमी नफीसा के रोल में हैं। दमदार एक्शन से भरपूर फिल्म में म्यूजिक भी कमाल का है, जिसने 'आवारापन 2' की कहानी को गहराई से छुआ है।

दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है 'स्ले टू द रिदम'

अभिनेत्री और गायिका नोरा फतेही ने हाल ही में अपना नया गाना 'स्ले टू द रिदम' रिलीज किया है। इस गाने को संजॉय ने लिखा है और इसमें यासीन इदरीसी और नोरा फतेही की आवाज है।

'चैंपियंस' और 'लॉक्ड इन' की कामयाबी के बाद नए गाने 'स्ले टू द रिदम' ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। यह गाना अपनी शानदार बीट्स, जोश भरे विजुअल्स, जबरदस्त रिदम के साथ डांस और म्यूजिक को लेकर चर्चा में है। जब से इसकी पहली झलक सामने आई है, फैंस इसका आनंद ले रहे हैं।

नोरा फतेही ने इस नए गाने को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए बातचीत में कहा, 'यह एक जबरदस्त गाना है। यह दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है। यह गाना इस बात का सबूत है कि कैसे इसने दुनियाभर के लोगों को जोड़ा है। इसने मुझ जैसे आर्टिस्ट के लिए कई रास्ते खोले हैं। यह म्यूजिक और डांस का जश्न है।'

उन्होंने कहा, 'ये दोनों चीजें ही हैं जिन्होंने मेरे लिए कई रास्ते खोले और मुझे आप सभी से जोड़ा! डांस और म्यूजिक ने मुझे दुनिया भर की सैर कराई और नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया! मुझे उम्मीद है कि यह गाना आपको समाज की सोच से आजाद होने और हमेशा अपने दिल की बात सुनने के लिए प्रेरित करेगा।'

म्यूजिक वीडियो में शामिल सभी डांसर्स और परफॉर्मर्स को गाने के आखिर में क्रेडिट दिया गया है और उनके योगदान को दिखाने के लिए उन्हें खास स्क्रीन टाइम भी दिया गया है। नोरा अपने चल रहे 'डांस विद नोरा' प्रोजेक्ट के जरिए दुनिया भर के डांसर्स, परफॉर्मर्स और नए आर्टिस्ट्स को एक प्लेटफॉर्म देती रहती हैं। यह प्रोग्राम युवा टैलेंट को अपनी काबिलियत दिखाने, पहचान बनाने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अपना जोश बनाए रखने में मदद करता है।

किआरा आडवाणी के समर्थन में बोलीं हुमा कुरैशी

दरअसल, 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' में कियारा आडवाणी और यश के इंटीमेट सीन्स को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। कुछ लोग कियारा के शादीशुदा होने और मां बनने के बाद ऐसे सीन्स करने पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, यश भी शादीशुदा हैं, लेकिन उन्हें इस मामले में काफी कम आलोचना का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे पर बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि उन्हें लगता है कि फिल्म 'टॉक्सिक' आखिर में सबको गलत साबित करेंगी। उनका इशारा इस बात की तरफ था कि फिल्म रिलीज होने के बाद आलोचना अपने आप शांत हो जाएगी। युवा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

'टॉक्सिक' के बारे में

इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरेशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे।

कियारा की हो रही ट्रॉलिंग

गौरतलब है कि 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' के रिलीज होने के बाद से ही कियारा आडवाणी को उनके इंटीमेट और बोल्ड सीन्स के लिए लगातार ट्रोल किया जा रहा है। मामला सिर्फ यहीं तक नहीं रुका, बल्कि ट्रोल्स ने उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी निशाना बनाया और उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स पर भी इसी तरह के कमेंट करने लगे।

संक्षिप्त समाचार

अध्ययन: पक्षियों में 8वां सुर...1.16 लाख आवाजों के डाटा से वैज्ञानिकों ने खोला राज

पेरिस, एजेंसी। कोयल की सुरीली आवाज हर किसी का मन मोह लेती है। दुनियाभर में पक्षियों की ऐसी हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं जिनकी आवाज एकदम संगीतमय होती है। आखिर, इनके गीत कैसे बनते हैं? हाल ही में एक नए अध्ययन में पता चला कि संगीत के सात सुरों की तरह पक्षियों के गाने मूलत- आठ प्रकार की ध्वनियों पर केंद्रित होते हैं। वैज्ञानिकों ने यह शोध दुनियाभर के विभिन्न हिस्सों की 3,000 से अधिक सॉन्गबर्ड यानी पैसिरीन प्रजाति के पक्षियों पर किया जो, कुल पक्षी प्रजातियों का 60ॿ हिस्सा हैं। साइंस मैगजीन में प्रकाशित यह दिलचस्प अध्ययन ने पक्षियों की आवाज से जुड़े और राज भी खोलता है। जैसे कैसे समय के साथ इन सुरों में बदलाव आया। अध्ययन बताता है कि बुनियादी ध्वनियां करोड़ों वर्ष पहले शुरुआती पूर्वजों के समय ही विकसित हो गई थीं और 82ॿ पैसिरीन पक्षियों के वंश के विकसित होने के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहीं। शोध मुख्य रूप से फ्रांस के वैज्ञानिकों की एक टीम ने किया, जिसमें सेंट-एटिफ यूनिवर्सिटी और मोंटपेलियर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता शामिल थे। हालांकि, इसके लिए किसी लैब या क्षेत्र में पक्षियों के गाने को रिकॉर्ड नहीं किया है। बल्कि कम्युनिटी साइंस डाटाबेस का इस्तेमाल कर दुनियाभर के 3,160 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के 1,16,000 से ज्यादा गानों का डिजिटल डाटा जुटाया गया व उसका विश्लेषण किया।

सर्बिया पहुंचे जेलेंस्की, पहली आधिकारिक यात्रा में वुसिच से मुलाकात

सर्बिया, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर सर्बिया पहुंचे। सर्बिया उन चुनिंदा यूरोपीय देशों में शामिल है, जिनके रूस के साथ अब भी दोस्ताना संबंध हैं, जबकि रूस ने 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। जेलेंस्की ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर सर्बिया पहुंचने की पुष्टि की। इससे पहले सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिच के कार्यालय ने गुरुवार देर रात उनकी यात्रा की घोषणा की थी। जेलेंस्की ने कहा कि शुक्रवार और शनिवार को महत्वपूर्ण बातचीत होनी है। उन्होंने बताया कि वह वुसिच और सर्बिया के प्रधानमंत्री ज्यूरो मैकुट से मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की के मुताबिक, दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को विस्तार देने, यूरोपीय संघ के साथ संबंधों और उन क्षेत्रों पर चर्चा होगी, जहां दोनों देशों के लोगों के हित में व्यावहारिक अवसर तलाशे जा सकते हैं। इसके अलावा सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा होंगे। जेलेंस्की की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वुसिच रूस के साथ सर्बिया के पारंपरिक संबंधों और यूरोपीय संघ के साथ अपनी विदेश नीति को करीब लाने के दबाव के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहे हैं। वुसिच ने यूक्रेन के मुद्दे पर रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने इसके लिए दोनों स्लाव देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों का हवाला दिया है।

अमेरिका में भरे गए महीनों से खाली दर्जनों पद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नामित दर्जनों सरकारी पदों पर नियुक्तियों को स्वीकृति दे दी। इनमें कई महत्वपूर्ण दूतावास और विदेश विभाग के शीर्ष पद शामिल हैं जो विगत कई महीनों से खाली थे। सीनेट ने 74 नामांकनों की सूची को 51 के मुकाबले 47 मतों से मंजूरी दी। राजदूतों, राजनयिकों की नियुक्तियों को लेकर सीनेट में यह मतदान पार्टी लाइनों के साथ हुआ। दरअसल, ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन द्वारा नियुक्त दर्जनों कॅरिअर राजनयिकों को वापस बुला लिया था। इससे 100 से अधिक राजदूत पद खाली हो गए थे। पश्चिम एशिया से जुड़ी नियुक्ति, ऑस्ट्रेलिया का भी जिक्र जिन देशों में पद खाली थे या जहां नए लोगों को पदभार सौंपे गए हैं, इस सूची में ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और ब्राजील सहित 11 विदेशी राष्ट्रों के राजदूत शामिल हैं। पांच लोगों को राजदूत-रैंक के पदों के लिए नामित किया गया है। छह सहायक विदेश सचिव भी नामित किए गए हैं। इनमें पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व), यूरोप और पश्चिमी गोलार्ध के शीर्ष अधिकारी भी शामिल हैं। डेविड ब्रैट ऑस्ट्रेलिया के राजदूत और माइकल कावुकजियन नॉर्वे के राजदूत के रूप में पुष्टि किए गए हैं। फ्लोरिडा के राजनेता डैनियल पेरेज़ को ब्राजील में राजदूत नियुक्त करने में जटिलता है। ब्राजील सरकार ने वाशिंगटन के साथ राजनयिक विवाद के बीच पेरेज़ को औपचारिक मंजूरी रोक दी है। अमेरिका ने ब्राजील की राजदूत मारिया लुइज़ा रिबेरो वियोटी का वीजा रद्द कर दिया है।

यूटा में जंगल की आग बुझाने में लगा हेलीकॉप्टर क्रैश, दो लोग लापता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पश्चिमी राज्यों के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के दौरान दो बड़े हादसे सामने आए हैं। यूटा के जंगलों में लगी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटा एक भारी-भरकम हेलीकॉप्टर शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो लोग सवार थे। वहीं, ओरेगन में भड़की अनियंत्रित आग को बुझाने के अभियान के दौरान एक बुलडोजर ऑपरेटर की दर्दनाक मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, यूटा में क्रैश हुए हेलीकॉप्टर के मलबे तक तत्काल पहुंचना बेहद मुश्किल होने के कारण उसमें सवार दोनों लोगों की स्थिति के बारे में अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है।

ओरेगन में बुलडोजर ऑपरेटर की मौत : ओरेगन में आग बुझाने के अभियान के दौरान, गुरुवार को बुलडोजर चला रहे 47 वर्षीय जेसन एनसाइन की मौत हो गई। स्थानीय शेरिफ विभाग ने बताया कि राइट्स स्प्रिंग की आग बहुत तेजी से फैली, जिससे एनसाइन के बचने का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। चिलोक्विन शहर के पूर्व में दक्षिण-मध्य ओरेगन में आग बुधवार को भड़की थी। अमेरिकी वन सेवा के अनुसार, शुक्रवार तक यह आग लगभग 36 वर्ग किलोमीटर में फैल चुकी थी और इस पर बिल्कुल भी काबू नहीं पाया जा सका था। अधिकारियों ने बताया कि अत्यधिक गर्म और शुष्क मौसम के कारण आग ने भयानक रूप ले लिया है।

यूटा में राहत कार्य के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश : दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर उन सात विमानों में से एक था जो मध्य यूटा में 27 जुलाई को बिजली गिरने से लगी आग को बुझाने का काम कर रहे थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि साल्ट लेक सिटी से लगभग 258 किलोमीटर दक्षिण में रिचफील्ड के पास क्रैश हुआ। ग्रेट बेसिन इंसिडेंट मैनेजमेंट टीम के टायलर हेचट ने बताया कि जब हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, तब उड़ान के लिए स्थिति अनुकूल थी। सिकोरस्की एस-64 नामक यह हेलीकॉप्टर खड़ी ढलान वाले इलाके में काम कर रहा था और इसके क्रैश होने से एक और आग लग गई। हेचट ने कहा कि यह ज्ञात नहीं है कि हेलीकॉप्टर क्रैश होने से पहले कितनी देर तक उड़ रहा था। सिकोरस्की एस-64 स्काईक्रेन हेलीकॉप्टरों का उपयोग व्यावसायिक रूप से और सरकारी एजेंसियों द्वारा आग बुझाने और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इन्हें आग पर पानी या अग्निशामक रसायन गिराने के लिए विशेष टैंकों से सुसज्जित किया जा सकता है। शुक्रवार शाम तक आग की लपटों के कारण बचाव दल दुर्घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाए थे, लेकिन अधिकारियों को अगले 24 घंटों में वहां पहुंचने की उम्मीद थी। सेवियर काउंटी के शेरिफ नाथन कर्टिस ने कहा कि हम बचाव दल को बड़े जोखिम में नहीं डालना चाहते थे। जैसे ही संभव होगा, हम उन्हें वहां भेजेंगे। दुर्घटना के बाद आग बुझाने का काम कुछ समय के लिए रोक दिया गया था, लेकिन बाद में इसे फिर से शुरू कर दिया गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड और ॠ इस मामले की जांच करेंगे, लेकिन अगर आसपास आग लगी हो, तो वे भी तुरंत घटनास्थल तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुंच पाएंगे।

खराब मौसम की चेतावनी : शुक्रवार सुबह दमकल कर्मियों को चेतावनी दी गई थी कि अप्रत्याशित हवाएं, सूखा ईंधन और उच्च तापमान के साथ-साथ बिना बारिश वाले तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है। इलाके में रेड फ्लैग चेतावनी लागू कर दी गई थी। यूटा के कानोश समुदाय के पास फिशलेक नेशनल फॉरेस्ट में लगी आग शुक्रवार सुबह तक 427 वर्ग किलोमीटर में फैल चुकी थी और केवल 19 प्रतिशत ही नियंत्रित हो पाई थी। 600 से अधिक अग्निशमन कर्मी इस आग से जूझ रहे हैं। आग के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और लकड़ी, झाड़ियों और घास में लगी इस आग ने कम से कम छह इमारतों को नष्ट कर दिया है। महीनों से जारी शुष्क मौसम, कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी की रिकॉर्ड कमी, भीषण गर्मी और तेज हवाओं ने यूटा और पश्चिम के अन्य हिस्सों में आग को भड़काने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में कोलोराडो में तेजी से फैलती जंगल की आग की चपेट में आने से चार दमकल कर्मियों की मौत हो गई थी और पांचवां घायल हो गया था। दमकल कर्मियों ने तंबू जैसे आपातकालीन शेल्टर लगाकर खुद को बचाने की कोशिश की थी, लेकिन आग की लपटें उनके ऊपर से गुजर गईं।

पहली बार एआई ने खुद से डिजाइन किया वायरस, बैक्टीरिया खत्म किया; वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। यूएस के रिसर्चर्स ने एक ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की टीम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके बिल्कुल नए वायरल डिजाइन किए हैं, जो लैब में अपनी कॉपी भी बना सकते हैं। यह पहली बार हुआ है जब जेनरेटिव एआई से पूरे जीनोम को सफलतापूर्वक डिजाइन किया गया है। एआई को वायरस, बैक्टीरिया, पौधों और इंसानों के जेनेटिक कोड पर ट्रेन किया गया। फिर इसे बैक्टीरियोफेज बनाने के लिए रिफाइन किया गया। ये ऐसे वायरस होते हैं जो सिर्फ खास बैक्टीरिया को इन्फेक्ट करते हैं, इंसानों को नहीं। स्टैनफोर्ड टीम ने एआई के 302 सबसे अच्छे डिजाइन चुने और उन्हें लैब में बनाया। इनमें से 16 फेज श्व. कोलाई बैक्टीरिया को मारने में सफल रहे। स्टूडेंट सैमुअल किंग ने बताया, जब पेट्री डिश पर साफ स्पॉट दिखे तो समझ गया कि फेज काम कर रहे हैं। ये बहुत रोमांचक था। रिजल्ट सुनकर लैब में तालियां बजने लगीं। एक्सपर्ट्स इसे साइंस में बहुत बड़ा टर्निंग पाइंट कह रहे हैं। प्रो.ब्रायन ही के मुताबिक, इससे एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट इन्फेक्शन के इलाज के नए तरीके मिल सकते हैं। साथ ही नई दवाएं, थेरेपी और जेनेटिक बीमारियों का इलाज भी संभव हो सकता है।स्पेन के प्रोफेसर मार्क गुएल ने कहा कि इतिहास में पहली बार हम कंप्यूटर पर बायलॉजी डिजाइन कर रहे हैं। इसके साथ बायोसेफ्टी और बायोसिक्योरिटी का खतरा भी बढ़ गया है। जॉन्स हॉपकिन्स के डॉ. थॉमस इंगल्सबी और डॉ. मोरिट्ज हैंके ने लिखा कि अब सवाल ये नहीं है कि एआई वायरस बना सकता है या नहीं, सवाल ये है कि क्या इसका इस्तेमाल गंभीर नुकसान के बिना हो सकता है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि बीमारी पैदा करने वाले वायरस को डिजाइन करने की कोशिश बिल्कुल नहीं होनी चाहिए रिसर्चर्स ने पहले ही सावधानी बरती।

पीओके में हिंसा: यूएन ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बिगड़ते सुरक्षा हालात पर संयुक्त राष्ट ने चिंता जताई है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अगर कार्रवाई में उन्हें नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महासचिव यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि उनकी अपीलों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। फरहान हक ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कहा,महासचिव अपने हाई कमिश्नर के काम का समर्थन करते हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि मिस्टर तुर्क की बातों पर ध्यान दिया जाएगा। वह पाक में मौजूदा सुरक्षा हालात और हाल की घटनाओं को लेकर महासचिव के रुख के बारे में पूछे गए पीटीआई के सवाल का जवाब दे रहे थे। पिछले महीने यूएन के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके में हुई हालिया घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत, पाकिस्तान की ओर से जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाए जाने और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी। यूएन की ओर से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार पर असर डालने वाली पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। इनमें इंटरनेट एक्सेस पर प्रतिबंध और सार्वजनिक रूप से लोगों के एकत्र होने पर लगाई गई पाबंदियां शामिल हैं। जब हक से पूछा गया कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी, तो उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि हर जगह अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति दें और निश्चित रूप से यहां भी ऐसा ही होना चाहिए। अगर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

कैलिफोर्निया में कंटेंट क्रिएटर्स पर बढ़ी सख्ती? पैसे लेकर सियासी पोस्ट करने पर लग सकता है जुर्माना

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया में गवर्नर पद के लिए प्राथमिक चुनाव के लिए मतदान खत्म होने में कुछ हफ्ते बाकी हैं। इसी बीच, लॉस एंजिलिस के रहने वाले सोशल मीडिया क्रिएटर शाका स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। उनके सात लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्होंने बताया कि वह किसे वोट देंगे और क्यों। शाका स्मिथ ने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च इतना नहीं होना चाहिए कि आपका दिवाला निकल जाए। घर खरीदना इतना मुश्किल नहीं होना चाहिए। प्रदूषण फैलाने वालों का खर्च हमें नहीं उठाना चाहिए और कलाकारों की जगह एआई को नहीं लेना चाहिए। इसलिए मैं गवर्नर पद के लिए टॉम स्टेयर का समर्थन कर रहा हूं। लेकिन स्मिथ ने वीडियो की शुरुआत एक अस्वीकारीकरण (डिस्क्लेमर) से की। उन्होंने कहा,

यह एक विज्ञापन है और सच कहूं तो मेरी इच्छा है कि ज्यादा राजनीतिक कंटेंट में यह बात शुरुआत में ही कही जाए। उनके पोस्ट के कैप्शन में यह भी साफ लिखा था कि उन्हें स्टेयर के चुनाव अभियान ने पैसे दिए थे।

जानकारी न देने पर लग सकता है जुर्माना : कैलिफोर्निया और टेक्सस उन दो राज्यों में शामिल हैं, जहां ऐसे नियम हैं जिनके तहत कंटेंट क्रिएटर्स को बताना जरूरी है कि उन्हें किसी राजनीतिक अभियान ने पोस्ट करने के लिए पैसे दिए हैं। अब कैलिफोर्निया ऐसे मामलों में और सख्ती करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत पैसे मिलने की जानकारी नहीं देने वाले क्रिएटर्स पर जुर्माना लगाया जा सकता है। चुनावी अभियान लंबे समय से मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए मशहूर हस्तियों और बड़े इन्फ्लुएंसर्स के साथ काम करते रहे हैं। लेकिन अब वे छोटे क्रिएटर्स के साथ भी अपने साथ जोड़ रहे हैं।

मध्यावधि और राष्ट्रपति चुनावों में होगी कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका : इससे इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि राजनीतिक विज्ञापनों से जुड़े खुलासे के नियम कंटेंट क्रिएटर्स पर भी लागू होने चाहिए या नहीं। माना जा रहा है कि आने वाले मध्यावधि चुनावों और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में इन क्रिएटर्स की बड़ी भूमिका हो सकती है। डेमोक्रेटिक रणनीतिकार माइक नेलिस ने कहा, अगर आप राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और अभी इन लोगों का समर्थन हासिल करने या अपने लिए ऐसे लोगों को तैयार करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, जो आपकी ओर से बात कर सकें, तो आप पहले ही पीछे हैं। नेलिस ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए काम किया था। चुनावी अभियान अपना संदेश फैलाने के लिए क्रिएटर्स की मदद ले रहे हैं। कंटेंट क्रिएटर्स से जुड़ी पारदर्शिता को लेकर सवाल ऐसे कई चर्चित मामलों के बाद बढ़े हैं, जिनमें इन्फ्लुएंसर्स ने लोगों की राय या वोट बदलने के उद्देश्य से कंटेंट बनाया, लेकिन यह नहीं बताया कि उन्हें इसके लिए पैसे दिए गए थे।

बातचीत जारी रहेगी, लेकिन आत्मसमर्पण नहीं करेंगे

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि उनका देश अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि तेहरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। पेजेशकियन ने ये बातें शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक साक्षात्कार में कहीं। यह साक्षात्कार उनके कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित हुआ। उन्होंने ईरान सरकार के अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने और युद्ध खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने के फैसले का बचाव किया। पेजेशकियन ने कहा, जब तक अमेरिका समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक ईरान भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाता रहेगा। उन्होंने आगे कहा, जहां भी वे (अमेरिकी

पक्ष) अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने में विफल रहते हैं, वहां हमारी आगे अपनी प्रतिबद्धता निभाने की कोई जिम्मेदारी नहीं है। इस सप्ताह की शुरुआत में पेजेशकियन ने उन अटकलों को खारिज किया था कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वह पूरी मजबूती के साथ अपना काम जारी रखेंगे। उनके ये बयान ईरान के नेतृत्व में समझौते को लेकर कथित मतभेद की खबरों के बीच आए। जून में ईरान और अमेरिका ने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों को अंतिम समझौते पर पहुंचने के लिए 60 दिनों के अंदर बातचीत करनी थी।

होर्मुज के पास दो धमाकों की आवाजें सुनाई दीं : इस बीच, गुरुवार रात ईरान के दक्षिण में स्थित होर्मोजगान प्रांत के केश्म द्वीप पर दो धमाकों की आवाज सुनी गई। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ये धमाके होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश क्षेत्र में ईरानी सशस्त्र बलों और दुश्मन के बीच हुई कार्रवाई के कारण हुए। तस्नीम ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाकों की आवाज रात करीब 9-40 बजे (स्थानीय समय के अनुसार) सुनी गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि ईरानी नौसेना की इस कार्रवाई में क्या उपलब्धियां हासिल हुईं, इसकी जानकारी आने वाले घंटों में दी जाएगी। उधर, ईरान समर्थक इराकी लड़ाकों के संगठन इस्लामी रेजिस्टेंस ने कहा कि उसने अमेरिका और सऊदी अरब की सेनाओं के खिलाफ की जाने वाली जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया है। संगठन ने एक बयान में कहा कि यह फैसला शिया राजनेताओं की अपील के बाद लिया गया है। इस संगठन ने 29 जुलाई को अमेरिका और सऊदी अरब की संयुक्त हवाई कार्रवाई को लेकर इराक सरकार से कूटनीतिक या सुरक्षा के स्तर पर कड़ा कदम उठाने की मांग की थी। इस हवाई कार्रवाई में इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज (पीएमएफ) के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह मुख्य रूप से शिया लड़ाकों का गठबंधन है। हमलों में 20 लोगों की मौत हुई थी।

एच-1बी और ग्रीन कार्ड पर बढ़ेगी सख्ती, भारतीय प्रोफेशनल्स की बढ़ेंगी मुश्किलें?

वाशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन सीनेटर एरिक शिमट ने अमेरिकी श्रम विभाग से पीईआरएम प्रक्रिया में व्यापक बदलाव करने की मांग की है। उनका आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था का दुरुपयोग कर कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह विदेशी श्रमिकों को मौका देती हैं। प्रस्ताव में अमेरिकी आवेदकों के रिकॉर्ड रखने, रिजेक्शन का कारण दर्ज करने, योग्य बेरोजगार अमेरिकियों को नौकरी की जानकारी देने और उनका इंटरव्यू लेने जैसे कड़े प्रावधान सुझाए गए हैं। चूंकि वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं, इसलिए प्रस्तावित बदलावों का असर भारतीय टेक प्रोफेशनल्स पर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल यह केवल बदलाव का प्रस्ताव है और इसका वास्तविक असर श्रम विभाग के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगा। सीनेटर एरिक शिमट ने कार्यवाहक श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग को पत्र लिखकर पीईआरएम यानी प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की मांग की है। नियोक्ता आमतौर पर पीईआरएम का इस्तेमाल किसी विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में स्थायी नौकरी दिलाने और उसके लिए ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया शुरू करने के पहले चरण के तौर पर करते हैं।

क्या कंपनियां सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख रही : एरिक शिमट ने लिखा,पीईआरएम और एच-1बी प्रोग्राम के दुरुपयोग से कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख लेती हैं। विभाग को इस दुरुपयोग को रोकना चाहिए और नियमों के असली मकसद को बहाल करना चाहिए। क्या भारतीयों को लेकर सीधे कोई बदलाव प्रस्तावित है? उन्होंने पत्र में भारत का नाम नहीं लिया और न ही एच-1बी या ग्रीन कार्ड के नियमों में सीधे बदलाव का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने सिर्फ श्रम विभाग से नियमों को दोबारा लिखने और ऑडिट, संदिग्ध धोखाधड़ी तथा पीईआरएम आवेदकों के ओपीटी और एच-1बी वीजा के पिछले इस्तेमाल से जुड़े आंकड़े सार्वजनिक करने को कहा है।

भारतीय प्रोफेशनल्स पर इसका असर क्यों पड़ सकता है : अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत सभी एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं। कई भारतीय छात्र स्टूडेंट वीजा और ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) के जरिए एच-1बी नौकरी तक पहुंचते हैं और इसके बाद नियोक्ता द्वारा प्रायोजित स्थायी निवास के लिए आवेदन करते हैं।

क्या ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया जटिल होगी : विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भर्ती से जुड़े दस्तावेजों की जांच सख्त की गई तो नियोक्ताओं पर अनुपालन का बोझ बढ़ेगा और ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में भी जांच कड़ी हो सकती है। पहले से ही जटिल मानी जाने वाली स्पॉन्सरशिप प्रक्रिया और लंबी हो सकती है। हालांकि, अंतिम असर इस बात पर निर्भर करेगा कि श्रम विभाग एरिक शिमट के प्रस्तावों को किस हद तक अपनाता है। एरिक शिमट ने कहा कि पीईआरएम के नियम 20 साल से ज्यादा समय से नहीं बदले हैं। गैर-पेशेवर पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में आमतौर पर दो अखबारों में विज्ञापन देना और राज्य रोजगार एजेंसी में पंजीकरण कराना जरूरी है। वहीं, पेशेवर पदों के लिए ऑनलाइन विज्ञापन देना अनिवार्य नहीं है।

अंधेरे में छिपी सिर्फ एक आवाज... आखिर कहां गायब हैं ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जो 1989 से ईरान का नेतृत्व कर रहे थे। जिसके बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई सालों तक पर्दे के पीछे काम करने के बाद इस्लामिक रिपब्लिक के सबसे शक्तिशाली पद पर आसीन हुए थे। लेकिन उस हमले में खुद भी घायल हुए मोजतबा खामेनेई ने पद संभालने के बाद से अब तक दर्जन से अधिक लिखित संदेश जारी किए हैं, लेकिन अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। पिछले महीने मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी दी कि यदि वह इस्लामिक रिपब्लिक पर हमले जारी रखता है तो उसे कभी न भूलने वाला सबक सिखाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को बेकार और अमान्य करार दिया। यह बयान ईरानी सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया। यह बयान ऐसे समय में आया जब इसके कुछ घंटे पहले ही तेहरान ने एक महीने पहले हुए एक अंतरिम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित करने की घोषणा की थी, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और बुनियादी ढांचों पर लगातार हमले हो रहे थे। मोजतबा ने कहा कि अब जब अमेरिकी दुश्मन संघर्ष को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और इसके जरिए उसे और भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी तथा और अधिक अपमान सहना होगा, तो उसे यह जान लेना चाहिए कि ईरान के महान राष्ट्र और रेजिस्टेंस फ्रंट ने उसके लिए ऐसा सबक तैयार रखा है जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा।

जब से संघर्ष फिर से बढ़ा है, तब से यह बयान खामेनेई का पहला सार्वजनिक संदेश था। इस बीच युद्ध को समाप्त करने के राजनयिक प्रयासों पर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। उनके लिखित संदेशों और सोशल मीडिया चैनलों पर सक्रियता के बावजूद, इस बात की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है कि 28 फरवरी के हमले के बाद मोजतबा खामेनेई जीवित भी हैं या नहीं। उस हमले में उनकी पत्नी जहरा हद्दाद आदेल और खामेनेई परिवार के

अन्य सदस्य भी मारे गए थे।

हालांकि, कई ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वह हमले में घायल हो गए थे। इससे इन अटकलों को बल मिला है कि वह शायद ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं या सुरक्षा कारणों से एहतियात बरत रहे हैं और इसलिए सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं।

ईरान के राष्ट्रपति का दावा : ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को कथित तौर पर तेहरान में एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया था, जहां उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई गई जिसे सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के रूप में पेश किया गया। इस गुप्त मुलाकात ने ईरान के नए नेतृत्व के आसपास बनी गोपनीयता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पेजेशकियन को काले और गहरे शीशे वाले वाहन की पिछली सीट पर ले जाया गया, जहां खामेनेई के रूप में पहचाना गया व्यक्ति पहले से बैठा हुआ था। खिड़कियों के शीशे काले रखे गए थे, सुरक्षाकर्मियों ने दोनों लोगों को एक-दूसरे को देखने या हाथ मिलाने से रोक दिया, जिससे वे केवल आवाज के माध्यम से संवाद कर सकते थे। बाद में पेजेशकियन को इस बात पर संदेह हुआ कि क्या जो आवाज उन्होंने सुनी, वह वास्तव में नए सुप्रीम लीडर की ही थी। यह मुलाकात केवल कुछ ही मिनटों तक चली, हालांकि बाद में पेजेशकियन ने व्यापार संघ के प्रतिनिधियों को बताया था कि उन्होंने सौहार्दपूर्ण माहौल में खामेनेई के साथ ढाई घंटे बिताए। रिपोर्ट के अनुसार, पेजेशकियन ने बार-बार सुप्रीम लीडर से मिलने का अनुरोध किया था और इस्तीफा देने की धमकी भी दी थी। उनके कार्यालय ने आखिरकार मुलाकात के लिए सहमति दे दी, लेकिन पिछली परंपराओं को तोड़ते हुए उन्हें आधिकारिक आवास पर नहीं बुलाया गया, बल्कि उन्हें एक अज्ञात स्थान पर निर्देशित किया गया।

खामेनेई के स्वास्थ्य पर उठ रहे सवाल : इजरायली मीडिया के अनुसार, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, हालांकि उनके स्वास्थ्य की इस कथित स्थिति की कोई स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ईरान के अंदर मौजूद सूत्रों का हवाला देते हुए चैनल 14 (ष्ट14) और इससे पहले यरूशलेम पोस्ट ने कहा कि ईरानी शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच ऐसी अफवाहें फैल रही हैं कि खामेनेई की हालत बेहद गंभीर है, जिसमें ईरानवायर और पेजेशकियन प्रशासन के करीबी सूत्रों का हवाला दिया गया था। यरूशलेम पोस्ट के एक सूत्र ने कहा कि अगर हमें जल्द ही उनकी शहादत की खबर सुनाई दे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक- आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)